राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

- 7

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते

- 10

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

- 11

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन

- 12

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

8.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.01

सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 66, पृष्ठ 12+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

यूजीसी के नए नियमों पर रोक

शीर्ष कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा | अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू रहेंगे, केंद्र सरकार को नया ड्राफ्ट तैयार करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाएं। सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में ओबीसी, एससी, एसटी समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। कोर्ट मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल व राहुल दीवान की ओर से दायर यूजीसी विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

आवारा कुत्तों पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान पीठ ने एनएचएआई को कहा कि वह सड़क निर्माण में शामिल ठेकेदारों से राजमार्गों पर आने वाले आवारा पशुओं की देखभाल के लिए सीएसआर के तहत गौशाला बनाने पर विचार करने को कहे। कोर्ट ने पंजाब, राजस्थान, उप्र द्वारा उसके निर्देशों के अनुपालन को लेकर असंतोष व्यक्त किया। (विस्तृत पेज-7 पर)

कोर्ट ने चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कानून के चार सवाल किए तैयार

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यूजीसी विनियम 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं में कानून के महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं और उसने विचार के लिए ऐसे चार सवाल तैयार किए हैं। प्रथम दृष्टया उसका यह मत है कि निम्नलिखित चार महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्न विचारणीय हैं और इनके लिए विस्तृत पड़ताल की आवश्यकता होगी।

पहला प्रश्न : क्या विनियमों में धारा 3(सी) को शामिल करना, जो जाति-आधारित भेदभाव को परिभाषित करती है, 2026 के यूजीसी विनियमों के उद्देश्य और प्रयोजन की पूर्ति के लिए एक उचित और तर्कसंगत संबंध रखता है, विशेष रूप से इस तथ्य के आलोक में कि जाति-आधारित भेदभाव से निपटने को अलग या विशेष प्रक्रियात्मक तंत्र निर्धारित नहीं किया गया है, जबकि विनियमों की धारा 3(ई) के तहत भेदभाव की व्यापक व समावेशी परिभाषा प्रदान की गई है?

दूसरा प्रश्न : क्या विनियमों के तहत जाति-आधारित भेदभाव शामिल करना और और लागू करने से एससी, एसटी और ओबीसी के अंतर्गत सबसे पिछड़ी जातियों के मौजूदा संवैधानिक और वैधानिक उप-वर्गीकरण पर कोई प्रभाव पड़ेगा, और क्या उक्त विनियम ऐसी अत्यंत पिछड़ी जातियों को भेदभाव और संरचनात्मक असमानताओं से पर्याप्त एवं प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते हैं?

तीसरा सवाल : उक्त विनियमों के खंड 7(घ) में पृथकीकरण शब्द को शामिल करना छात्रावासों, कक्षाओं, मार्गदर्शन समूहों या इसी तरह की शैक्षणिक या आवासीय व्यवस्थाओं के आवंटन के संदर्भ में, भले ही पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण मानदंडों पर आधारित हो, अलग होते हुए भी समान वर्गीकरण के बराबर होगा, जिससे अनुच्छेद 14, 15 व संविधान की प्रस्तावना के तहत समानता और बंधुत्व की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन होगा?

चौथा सवाल : यूजीसी विनियम 2012 में रैगिंग शब्द मौजूद होने के बावजूद, उक्त विनियमों में भेदभाव के एक विशिष्ट रूप के तौर पर इसका उल्लेख न किया जाना एक प्रतिगामी विधायी चूक है। शीर्ष अदालत की तीन न्यायाधीशों की पीठ 19 मार्च को इस मामले की सुनवाई करेगी।

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक % से लगभग दोगुना होकर 1.8 % हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

वित्त मंत्री ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता।

दिल्ली दंगा में जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में तीन आरोपियों- सलीम मलिक, अतहर खान और आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दीं। इन पर 2020 के दंगों में संलिप्तता के आरोप लगाए गए हैं।

जम गई झील

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में गुरुवार को जमकर बर्फबारी हुई, इस दौरान यहां स्थित पराशर झील बर्फ की परत से ढंक गई। ● एजेंसी

हरदोई में मनचले से तंग किशोरी ने की आत्महत्या शिकायत पर पिता को पीटा

● मुख्य आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

शाहाबाद, (हरदोई)। यहां पड़ोसी मनचले से परेशान होकर एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पिता द्वारा शिकायत करने पर आरोपी ने साथियों सहित उनसे हाथापाई भी की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिहानी थाना क्षेत्र के एक ग्राम पिता ने तहरीर दी की उसकी 16 वर्षीय पुत्री को बंदरहा निवासी सलीम उर्फ मुन्नू पुत्र जहूर आए दिन परेशान करता था जिससे परेशान होकर पुत्री ने 27 जनवरी को फांसी लगा ली। शिकायत लेकर जब वह आरोपी के घर गया तो आरोपी के भाइयों शमसुल, पट्टे व हसीब ने उससे मारपीट की।

जेल से 2 बंदी फरार, अधीक्षक समेत 7 निलंबित

अयोध्या कार्यालय

● अयोध्या में विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों, रोशनदान की ईंट निकाल पहुंचे जेल की दीवार तक

● कंबल व मफलर की रस्सी बना पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए।

संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी

● मेटल की कीमतों में गुरुवार को आई तूफानी तेजी

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सोने की वैश्विक मांग 5,000 टन से अधिक

मुंबई। वैश्विक स्तर पर सोने की मांग 2025 में 5,000 टन से अधिक होकर एक नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वर्ण परिषद की गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष यह मांग 4,961.9 टन थी।

कैबिनेट बैठक

शिक्षा जगत से जुड़े 15 लाख लोगों को राहत, योगी मंत्रिपरिषद ने 32 में से 30 प्रस्तावों को दी मंजूरी

माध्यमिक, बेसिक, संस्कृत शिक्षकों-कार्मिकों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाने समय से भुगतान और नई चीनी मिलें खोलने पर भी लगी मुहर

● शहरी विकास, आवास, सड़क औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से बढ़ेगा रोजगार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 32 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 30 को मंजूरी दे दी गई, जबकि चौथा और 17वां प्रस्ताव स्थगित कर दिए गए। सबसे अहम फैसला 15 लाख से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए रहा।

बेसिक, माध्यमिक और संस्कृत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त सरकारी, गैर-सरकारी और अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षामित्रों, रसोइयों समेत अन्य कर्मियों को सपरिवार 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल बीमा कवर मिलेगा। इसके साथ ही चीनी मिलें खोलने, क्षमता बढ़ाने व समय से भुगतान समेत शहरी विकास, आवास, सड़क, औद्योगिक निवेश और पुनर्विकास से जुड़े फैसलों से रोजगार सृजन को नई दिशा दी गई। मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने पत्रकारों को फैसलों की जानकारी दी। बताया गया कि बेसिक शिक्षा परिषद, माध्यमिक शिक्षा परिषद व संस्कृत शिक्षा परिषद के सभी मान्यता प्राप्त अनुदानित, स्ववित्तपोषित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक (व्यावसायिक शिक्षा के विषय विशेषज्ञ व मानदेय शिक्षक सहित) इस सुविधा के दायरे में आएंगे। योजना के तहत आईपीडी (अंतःरोगी) इलाज की कैशलेस सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ साचीज़ से जुड़े निजी अस्पतालों में भी उपलब्ध होगी। इलाज की दरें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मानकों के अनुरूप होंगी। योजना का लाभ कर्मियों के आश्रितों को भी मिलेगा। इसमें शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की वार्डेन, पूर्णकालिक/अंशकालिक शिक्षक-शिक्षिकाओं व प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों को भी योजना में शामिल किया गया है। अनुमान है कि बेसिक शिक्षा परिषद के 11.95 लाख से अधिक शिक्षक-कर्मी इससे लाभान्वित होंगे। प्रति कर्मी लगभग 3 हजार रुपये वार्षिक प्रीमियम के हिसाब से बेसिक शिक्षा पर 358.61 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। समग्र रूप से बेसिक-माध्यमिक शिक्षा से जुड़े करीब 15 लाख कर्मियों पर लगभग 448 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय अनुमानित है।

लोकभवन में मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

सत्यापन के बाद योजना का लाभ

स्ववित्तपोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को सत्यापन के बाद योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित होंगी। जो कर्मी पहले से किसी अन्य केंद्र/राज्य स्वास्थ्य योजना (आयुष्मान भारत/मुख्यमंत्री जन आरोग्य) से आच्छादित हैं, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

यूपी विधानमंडल का बजट सत्र नौ से

योगी मंत्रिपरिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य विधानमंडल का बजट सत्र 9 फरवरी से आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। अब इसपर अंतिम निर्णय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लेंगी।

फैसले एक नजर में

गोरखपुर में 721.40 करोड़ की सीवरेज परियोजना को मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के अंतर्गत गोरखपुर में सीवरेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए बड़ी परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। गुरुवार को मंत्रिपरिषद ने नगर निगम क्षेत्र के सीवरेज जोन-ए-3 से संबंधित 721.40 करोड़ की परियोजना को स्वीकृति दी। परियोजना के पूर्ण होने पर 17 वार्डों की 1.95 लाख से अधिक आबादी को सीवेज सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। स्वीकृत लागत में जीएसटी और सेंटेज की राशि शामिल है। इस परियोजना की कुल अनुमोदित लागत 721.40 करोड़ है, जिसमें 27.28 करोड़ सेंटेज शामिल हैं। लागत साझा व्यवस्था के तहत भारत सरकार का अंश 231.35 करोड़, राज्य सरकार का अंश 435.00 करोड़ तथा निकाय का अंश 27.76 करोड़ तय किया गया है।

गंगा किसान सहकारी चीनी मिल का होगा आधुनिकीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने मुजफ्फरनगर के मोरना स्थित गंगा किसान सहकारी चीनी मिल के आधुनिकीकरण और पेराई क्षमता बढ़ाने का निर्णय लिया है। कैबिनेट की मंजूरी के अनुसार मिल की मौजूदा क्षमता 2500 टीसीडी से पहले 3500 टीसीडी और इसके बाद 5000 टीसीडी तक बढ़ाई जाएगी। पुराने प्लांट और तकनीक के कारण किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था।

मिर्जापुर में कुत्तों के हमले में मोर की मौत

मिर्जापुर, एजेंसी : जिले के पड़री क्षेत्र में कुत्तों के हमले में एक मोर की मौत हो गई। यह जानकारी वन रेंजर राजेंद्र प्रसाद ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पक्षी होने के नाते मोर का अंतिम संस्कार सम्मान के साथ किया जाएगा। प्रसाद ने बताया कि खेत में घूम रहे मोर पर अचानक कुत्तों ने हमला कर दिया। वहां काम कर रहे ग्रामीणों ने मोर को बचाने का प्रयास किया। सूचना पर वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मोर का उपचार प्रारंभ कर दिया। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

परिवहन विभाग के तीन प्रस्तावों को मिली मंजूरी

यूपी कैबिनेट बैठक : 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित, फेसलेस सेवाएं और ई-वाहनों को दी गई राहत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन विभाग के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने 351 सहायक मोटरयान निरीक्षक पद सृजित करने और इसके लिए उप्र. परिवहन (अधीनस्थ) प्राविधिक सेवा (षष्ठम संशोधन) नियमावली, 2026 के प्रख्यापन को मंजूरी दी। इससे शीघ्र ही भर्ती/चयन प्रक्रिया शुरू होगी और सड़क सुरक्षा, प्रवर्तन व राजस्व वसूली को बल मिलेगा।

इसके साथ ही परिवहन सेवा ढांचे को विधिक मान्यता देने को उ.प्र. परिवहन सेवा (सप्तम संशोधन) नियमावली, 2026 को स्वीकृति मिली। परिक्षेत्रों का पुनर्गठन करते हुए गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या में नए परिक्षेत्र गठित होंगे, जिससे निगरानी, क्रियान्वयन और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तीसरे प्रस्ताव में कर संरचना में सुधार, शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को पंजीकरण शुल्क/रोड टैक्स में 100 फीसदी छूट (नीति अवधि के 4वें-5वें वर्ष के लिए कार्योत्तर अनुमोदन) तथा परिवहन विभाग की चार सेवाओं- डीएल में जन्मतिथि संशोधन, पहाड़ी क्षेत्र में वाहन अनुमति, पंजीकरण संख्या रिटेंशन और गैर-उपयोग सूचना परमिट को फेसलेस मोड में लागू करने हेतु उप्र. मोटरयान (32वां संशोधन) नियमावली, 2026 को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट बैठक के बाद लोकभवन में पत्रकारों को निर्णयों की जानकारी देते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना व बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

शहरी सुविधाओं के लिए विकास शुल्क प्रणाली में संशोधन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में शहरी क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए विकास शुल्क की संशोधित प्रणाली लागू करने और इससे जुड़ी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास नियमावली-2014 (यथा संशोधित 2021) में बदलाव के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से शहरी विकास के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन अधिक प्रभावी और व्यवस्थित ढंग से उपलब्ध हो सकेंगे। संशोधित विकास शुल्क प्रणाली के लागू होने से विकास प्राधिकरणों को अपनी विकास परियोजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए स्थायी एवं मजबूत वित्तीय आधार मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस फैसले से शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार को गति मिलेगी।

योगी कैबिनेट ने अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत बुधवार को बारामती (महाराष्ट्र) में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की। कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूर्णीय क्षति है। स्व. पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित 99 हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन का निर्णय

- प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश में रह रहे हिंदू बंगाली परिवारों के स्थायी पुनर्वासन को लेकर अहम और मानवीय निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जनपद मेरठ से जुड़े इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

यह प्रकरण मेरठ जिले की तहसील मवाना के ग्राम नंगला गोसाई से संबंधित है, जहां झील की भूमि पर लंबे समय से अवैध रूप से निवास कर रहे 99 हिंदू बंगाली परिवारों के पुनर्वासन का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इन सभी परिवारों को जनपद कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील में बसाया जाएगा। पुनर्वासन के तहत ग्राम भैंसाया में पुनर्वास विभाग के नाम दर्ज 11.1375 हेक्टेयर (27.5097 एकड़) भूमि पर 50 परिवारों तथा ग्राम ताजपुर तरसौली में पुनर्वास विभाग के नाम अंकित 10.530 हेक्टेयर (26.009 एकड़) भूमि पर शेष 49 परिवारों को बसाया जाएगा। प्रत्येक परिवार को 0.50 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। यह भूमि प्रीमियम अथवा लीज रेंट पर 30 वर्ष के पट्टे पर दी जाएगी, जिसे आगे 30-30 वर्ष के लिए नवीनीकृत किया जा सकेगा। इस प्रकार पट्टे की अधिकतम अवधि 90 वर्ष होगी। सरकार का कहना है कि इस निर्णय से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित होगा और विस्थापित परिवारों को सम्मानजनक, सुरक्षित और स्थायी जीवन मिलेगा।

कैबिनेट से स्वीकृत प्रस्ताव

- अमृत नगरीय एवं शहरी पर्यावरण मिशन 2.0 के अंतर्गत नगर निकायों में जलापूर्ति, सीवर एवं संबंधित शहरी अवसंरचना कार्यों हेतु केंद्रीय व राज्यांश सहित वित्तीय स्वीकृति।
- अमृत-2.0 के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों में सीवरेज, ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी।
- उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 को लागू किए जाने की स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में जर्जर, अविकसित एवं अव्यवस्थित बस्तियों के पुनर्विकास एवं नियोजित विकास के प्रस्ताव को मंजूरी।
- शहरी गरीबों एवं मलिन बस्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु अवसंरचना आधारित योजनाओं को स्वीकृति।
- मुरादाबाद जनपद में विज्ञान पार्क एवं तारामंडल की स्थापना हेतु मुरादाबाद विकास प्राधिकरण को कार्यदायी संस्था नामित करने का निर्णय।
- राज्य में विज्ञान, नवाचार एवं तकनीकी जागरूकता को बढ़ावा देने से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति।
- गन्ना किसान सहकारी चीनी मिलों की पेराई क्षमता बढ़ाने, तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी।
- गन्ना किसानों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने के लिए चीनी मिलों से संबंधित वित्तीय एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय।
- राज्य में नई चीनी मिलों की स्थापना तथा मौजूदा मिलों के विस्तार से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति।
- जनपद लखीमपुर-खीरी में पेयजल आपूर्ति योजना के अंतर्गत जलशोधन संयंत्र, पाइपलाइन एवं संबंधित कार्यों को मंजूरी।
- वाराणसी में राज्य मार्ग संख्या-120 के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य को स्वीकृति।
- देवरिया में राज्य मार्ग संख्या-79 के चौड़ीकरण एवं सड़क सुधार कार्य को मंजूरी।
- लोक निर्माण विभाग से संबंधित प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं यातायात सुधार प्रस्ताव को स्वीकृति।
- शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माणों के निस्तारण/नियमन से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी।
- मुख्यमंत्री द्वारा घोषित राजस्व ग्रामों में आपदा/परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े प्रस्ताव।
- विस्थापित परिवारों को आवास, भूखंड एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित निर्णय।
- पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वासन से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी।
- राज्य के विभिन्न विकास प्राधिकरणों से जुड़े प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रस्तावों को स्वीकृति।
- शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने से संबंधित निर्णय।
- नगरीय एवं अधोसंरचना विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के नीतिगत एवं प्रशासनिक संशोधनों को मंजूरी।
- विभागीय प्रक्रियाओं के सरलीकरण से जुड़े प्रस्ताव।
- राज्य सरकार की घोषणाओं के अनुपालन से संबंधित प्रस्ताव।
- विकास परियोजनाओं के लिए भूमि उपयोग/प्रबंधन से जुड़े निर्णय।
- पुनर्विकास एवं पुनर्स्थापन से जुड़े विशेष मामलों को स्वीकृति।
- केंद्र सरकार से समन्वय से संबंधित योजनाओं के प्रस्ताव।
- विभिन्न विभागों के वित्तीय दायित्वों से संबंधित प्रस्ताव।

बहराइच के आपदा प्रभावित 136 परिवारों का होगा पुनर्वास

- नदी-वन्य क्षेत्र से घिरे भरथापुर गांव का होगा विस्थापन
- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मिलेंगे पक्के मकान

अमृत विचार, लखनऊ : बहराइच के राजस्व ग्राम भरथापुर में आपदा के स्थायी खतरे को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 136 प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के क्रम में गुरुवार को कैबिनेट ने गांव को विस्थापित कर सुरक्षित स्थान पर बसाने की योजना को मंजूरी दे दी। पुनर्वास के बाद नई बसाई जाने वाली बस्ती का नामकरण मुख्यमंत्री की अनुमति से किया जाएगा।

भरथापुर गांव एक ओर गेरुआ नदी, दूसरी ओर कौड़ियाल नदी से घिरा है, जबकि उत्तर दिशा में वन्य जीव क्षेत्र और नेपाल सीमा स्थित है। सड़क संपर्क न होने के कारण ग्रामीणों को नाव से आवाजाही करनी पड़ती है, जिससे जान-माल का लगातार खतरा बना रहता है। 29 अक्टूबर 2025 को कौड़ियाल नदी में नाव पलटने से नौ लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने 2 नवंबर 2025 को हवाई सर्वेक्षण कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की घोषणा की थी, जिस पर अब कैबिनेट की औपचारिक मुहर लग गई है। आपदा प्रभावित परिवारों को ग्राम पंचायत सेमरहना, तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में पुनर्वासित किया जाएगा। इसके लिए लगभग 1.70 हेक्टेयर भूमि राजस्व विभाग को निःशुल्क हस्तांतरित की जाएगी। प्रत्येक परिवार को आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान मिलेगा।

हज के लिए स्वयं उड़ान बुक कर सकेंगे यात्री

- सुविधा 29 से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आगामी हज-2026 के लिए हज यात्री अब अपनी व्यक्तिगत लॉगइन के माध्यम से हज कमेटी की वेबसाइट (hajcommittee.gov.in) या हज सुविधा ऐप के जरिए उड़ानें स्वयं बुक कर सकते हैं। यह सुविधा पूरी तरह वैकल्पिक है और इसका उद्देश्य केवल यात्रियों को अपनी पसंद के अनुसार उड़ान बुक करने का अवसर देना है।

यह जानकारी गुरुवार को उप्र. हज यात्रा कमेटी के सचिव-कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के लिए हज यात्रियों के लिए ऑनलाइन सेल्फ बुकिंग सुविधा शुरू की है। सीईओ एसपी तिवारी ने बताया कि यह सुविधा 29 जनवरी से केवल चार दिन के लिए उपलब्ध रहेगी और बुकिंग सीट की उपलब्धता व उड़ान क्षमता के अनुसार ही होगी। एक बार बुकिंग हो जाने के बाद यात्रा या उड़ान की तिथि में कोई बदलाव संभव नहीं होगा। इस दौरान किसी प्रकार के विशेष अनुरोध पर हज कमेटी विचार नहीं करेगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण में व्यवधान लोकतंत्र का अपमानः चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संसद के बजट सत्र के प्रथम दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान हुए व्यवधान की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन द्वारा किया गया हंगामा न केवल संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का भी अपमान है। चौधरी ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण सरकार की नीतियों, प्राथमिकताओं और उपलब्धियों का संवैधानिक प्रस्तुतीकरण होता है। ऐसे गरिमामय अवसर पर जानबूझकर व्यवधान उत्पन्न करना सर्वोच्च संवैधानिक पद के प्रति असम्मान को दर्शाता है।

एफएलसीआरपी को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सशक्तिकरण को मिलेगी नई गति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत-2047 विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश में ग्रामीण वित्तीय साक्षरता को सशक्त बनाया जा रहा है। उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रदेशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत 1650 वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (एफएलसीआरपी) को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह जानकारी देते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को बताया कि यह दो दिवसीय रिफ्रेशर एवं ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम संबंधित जिलों के ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता, तकनीकी ज्ञान और डिजिटल बैंकिंग की समझ को मजबूत करना है, ताकि वे सरकारी वित्तीय योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं को प्रभावी ढंग से आम लोगों तक पहुंचा सकें। यह प्रशिक्षण उन एफएलसीआरपी को दिया जाएगा, जो कम से कम एक वर्ष से निरंतर सेवा दे रहे हैं।

फरवरी से फिर चलेगा 100 दिन का सघन टीबी रोगी खोज अभियान

राज्य स्तरीय कार्यशाला में मौजूद अपर मुख्य सचिव अमित घोष, एनएचएम मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल व अन्य अधिकारी।

- टीबी मुक्त उप्र. विषयक राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सीएसआर अंतर्गत आईओसीएस के सहयोग से राज्य को चार मॉड्यूल के साथ 74 ट्रूनैट मशीनें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे त्वरित और सटीक टीबी जांच को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 75 एआई-सक्षम हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के लिए क्रय आदेश (परचेज ऑर्डर) जारी किए जा चुके हैं, जो भविष्य में टीबी स्क्रीनिंग और प्रारंभिक पहचान की क्षमता को और मजबूत करेंगे।

यह जानकारी अपर मुख्य सचिव ने गुरुवार को राजधानी स्थित निजी होटल में राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में दी। इस अवसर पर टीबी मुक्त उत्तर प्रदेश पर आधारित ई-न्यूजलेटर का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि टीबी मुक्त भारत अभियान को नई गति देने के लिए प्रदेश में फरवरी से एक बार फिर 100 दिवसीय सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 930 नैट मशीनें कार्यरत हैं, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण जांच सुनिश्चित की जा रही है। एनएचएम मिशन निदेशक डॉ.पिंकी जोवेल ने बताया कि वर्ष 2015 की तुलना में प्रदेश में टीबी की नई दर में 17 प्रतिशत कमी आई है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र भटनागर ने बताया कि फरवरी से शुरू होने वाले अभियान में सांसदों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य और निकट आएगा। कार्यशाला में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह सुमन, परिवार कल्याण महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण, समेत अन्य संबन्धित विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

उप्र. हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ टॉप पर, टीकाकरण में शत प्रतिशत स्कोर

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी उत्तर प्रदेश हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में लखनऊ ने दिसंबर 2025 में प्रदेश भर में पहला स्थान हासिल किया है। राजधानी लखनऊ को इस रैंकिंग में 0.68 का कंपोजिट स्कोर प्राप्त हुआ है। प्रयागराज, श्रावस्ती, गोरखपुर, महाराजगंज और हाथरस क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

लखनऊ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि मातृ स्वास्थ्य, बच्चों के टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जैसे महत्वपूर्ण सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन के चलते लखनऊ को यह उपलब्धि मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण टीकाकरण और गर्भावस्था के दौरान एचआईवी जांच के मामले में जनपद को शत-प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। ब्लॉकों के प्रदर्शन की बात करें तो बख्शी का तालाब, माल और मोहनलालगंज ब्लॉक सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले रहे हैं।

इसके साथ ही कई ब्लॉकों ने पिछले महीने की तुलना में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। चिनहट ब्लॉक ने रैंकिंग में सबसे अधिक सुधार किया है, वहीं माल ब्लॉक में परिवार नियोजन के स्थायी साधनों को अपनाने के संकेतक में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इस उपलब्धि के लिए जिला स्तर से लेकर फील्ड में कार्य कर रहे सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। यह सफलता टीमवर्क, नियमित निगरानी और डाटा आधारित योजना का परिणाम है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा शिकायती ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जिलों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि संबन्धित मामलों का तत्काल संज्ञान लेकर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। गुरुवार को दिए गए ज्ञापन में रायबरेली की ऊंचाहार और सरेनी विधान सभा क्षेत्रों में नो-मैपिंग मतदाताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करने का आरोप लगाया गया है। दीनशाह गौरा विकास खंड में प्रतिदिन सैकड़ों मतदाताओं को बिना सुनवाई के लौटाया जा रहा है।

उपलब्धि बागपत में 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी प्रतिकृति बनी यूपी के नवाचार की नई पहचान

कचरे को रिसाइकिल कर बना अनोखा संविधान पार्क

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: संविधान को जन-जन तक सहज और जीवंत रूप में पहुंचाने की दिशा में बागपत ने नई मिसाल कायम की है। बड़ौत नगर पालिका परिसर में विकसित संविधान पार्क में बच्चे खेल-खेल में संविधान के मूल्यों को समझ रहे हैं, युवा अपने अधिकारों-कर्तव्यों से जुड़ रहे हैं और आमजन स्वस्थ जीवन के साथ जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा ले रहा है। कचरे को रिसाइकिल कर तैयार यह पार्क "वेस्ट टू वेल्थ" की अवधारणा को साकार करता है।

बागपत के बड़ौत नगर पालिका परिसर में बना संविधान पार्क।

पार्क की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित संविधान की विराट प्रतिकृति है। पूरी तरह रिसाइकल्ड सामग्री से बनी 600 किलोग्राम वजनी यह संरचना 11 फीट ऊंची और 14 फीट चौड़ी है, जिसमें संविधान की मूल प्रस्तावना को प्रभावशाली ढंग से उकेरा गया है। यह प्रतिकृति न्याय, समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के संदेश को प्रतीकों के माध्यम से सरलता से समझाती है। संविधान पार्क को केवल हरियाली या टहलने की जगह तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे ओपन क्लासरूम और स्ट्रीट लाइब्रेरी के रूप में विकसित किया गया है, जहां अधिकारों-कर्तव्यों के बोर्ड, बुक प्वाइंट, पुस्तकालय और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियां मौजूद हैं। बच्चों के लिए यह सीखने का आनंददायक माध्यम है, तो बुजुर्गों और युवाओं के लिए मानसिक-बौद्धिक समृद्धि का केंद्र। पार्क में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चरखा आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करता है। वहीं बागपत के प्राचीन नाम 'व्याघप्रस्थ' की थीम पर बना वाटर कियोस्क इतिहास और संस्कृति से जुड़ाव का संदेश देता है।

देश के लिए प्रेरक मॉडल : डीएम

जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, यह पहल बेहतर सेहत के साथ नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की समझ देती है। यह सोच योगी आदित्यनाथ की उस विकास दृष्टि को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें आधुनिकता के साथ संस्कार, सेहत के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और विकास के साथ संविधान को जोड़ा गया है। बागपत का संविधान पार्क आज केवल जिले की पहचान नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरक मॉडल बनकर उभर रहा है।

संपत्ति पंजीकरण में आधार प्रमाणीकरण 1 फरवरी से

- सभी उप निबंधक कार्यालयों में आधार आधारित पहचान सत्यापन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसके तहत आधार आधारित प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से लागू की जा रही है, जिससे फर्जी रजिस्ट्रियों और छद्म व्यक्तियों के जरिए होने वाले भूमि घोटालों पर प्रभावी रोक लगेगी।

स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-69 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2024 को प्रवृत्त किया गया है। इसके तहत आधार संख्या धारकों की पहचान ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और ई-हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप में स्थापित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विलेख पंजीकरण के दौरान निष्पादकों, पक्षकारों और गवाहों की पहचान के लिए आधार प्रमाणीकरण व्यवस्था 1 फरवरी से प्रदेश के सभी उप निबंधक कार्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

1200 से ज्यादा कछुए बरामद, तीन गिरफ्तार

अमेठी, एजेंसी : जिले के मुंशीगंज क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस ने दुर्लभ प्रजाति के 1200 से ज्यादा कछुए बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि मुंशीगंज क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पुलिस ने एक छोटे ट्रक की तलाशी ली और उसमें से दुर्लभ प्रजाति के 1203 कछुए बरामद किए। इनकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 30 लाख रुपए बताई गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से तीन तस्करों – रमेश, राजेश और वीरेन्द्र विक्रम को गिरफ्तार किया है। कौशिक ने बताया कि पकड़े गए आरोपी कछुओं को जगदीशपुर से बनारस बेचने के लिए जा रहे थे।

ट्रक के अंदर मिला चालक का शव

सहारनपुर, एजेंसी : जिले के देवबंद इलाके में एक ट्रक चालक ने अपने वाहन के अंदर कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि देवबंद थाना क्षेत्र के मंगलोर इलाके में खड़े एक ट्रक से उसके चालक का शव रस्सी से लटका पाया गया है। मृतक की पहचान सोनू उर्फ अभय (35) के रूप में हुई है। वह खतौली इलाके के शेखपुरा गांव का रहने वाला था। सूत्रों ने बताया कि सोनू सरिया की खेप लेकर देवबंद आया था और उसने अपना ट्रक मंगलोर चौकी इलाके के पास खड़ा किया था। शुरुआती जांच से पता लगा है कि सोनू ने यह कदम उठाने से पहले अपने परिवार से बात की थी और शक है कि उसने घरेलू विवाद के कारण खुदकुशी की है।

बुजुर्ग महिला घर में मृत पाई गई

हाथरस, एजेंसी : जिले के सिकतरा गांव में 62 वर्षीया महिला अपने घर के अंदर मृत पाई गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मृतका की पहचान मालती देवी के रूप में हुई है। उनके पति केंद्र पाल सिंह की करीब 12 साल पहले मृत्यु हो गई थी और वह गांव में अकेली रहती थीं और उनके कोई संतान नहीं थी। पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह करीब आठ बजे कुछ पड़ोसी मालती देवी के घर गए और उन्हें अंदर बेहोशी की हालत में पड़ा पाया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी।

सिरप तस्करी मामले का आरोपी गिरफ्तार

बस्ती, एजेंसी : जिले में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री मामले के एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि गिरफ्तार आरोपी पंकज कुमार गणपति फार्मा कंपनी का मुख्य संचालक है और कथित तौर पर लंबे समय से कोडीन सिरप की अवैध बिक्री में शामिल था। औषधि विभाग ने गत आठ दिसंबर को उसके खिलाफ मामला दर्ज किया था। उसके बाद से वह फरार था।

पुलिस मुठभेड़ के बाद पशु तस्कर गिरफ्तार

देवरिया, एजेंसी : जिले की पुलिस ने गुरुवार तड़के मुठभेड़ के बाद एक पशु तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से पशु तस्कर घायल हो गया और उसकी पहचान गोरखपुर जिले के भरथरी गांव के निवासी किशन यादव (35) के रूप में हुई है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सदर) संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि मुठभेड़ तड़के करीब तीन बजे उस समय हुई जब पुलिसकर्मियों ने देवरिया-गोरखपुर रोड पर मजार के पास कथित रूप से मवेशियों को ले जा रहे पिकअप वाहन को रोका। उन्होंने बताया कि दो अन्य तस्कर मौके से भाग गए, जबकि किशन यादव को पकड़ लिया गया।

भदरसा केस : राजू खान को 20 साल की सजा, 50 हजार जुर्माना

- जुर्माने की संपूर्ण रकम पीड़िता को प्रतिकार के रूप में देनी होगी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित 12 वर्षीय नाबालिग से रेप करने और पॉक्सो के तहत दोषी पाते हुए कोर्ट ने राजू खान को 20 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। उस पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की संपूर्ण रकम पीड़िता को बतौर प्रतिकार देने का आदेश हुआ है।

राजू खान को सजा कितनी दी जाए। यह फैसला विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट निरुपमा विक्रम की अदालत में हुआ। अधिवक्ता सईद खान, अवधेश यादव तथा कृपाल चंद्र खरे ने बताया कि पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 12 वर्षीय किशोरी के साथ गैंगरेप हुआ था। इसकी रिपोर्ट पीड़िता की मां ने 29 जुलाई 2024 को मोईद खान और राजू खान के खिलाफ घटना के ढाई माह बाद लिखाई थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद विवेचक ने मामले में दोनों के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में आरोप पत्र अदालत में प्रस्तुत किया था। गुरुवार को राजू खान को मंडल कारागार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में लाकर अदालत के समक्ष पेश किया गया। अभियुक्त के अधिवक्ता ने मामले में सजा के बिंदु पर कोर्ट से गुजारिश की की राजू खान अभी 21 वर्ष का है। वह अत्यंत गरीब है। उसे कम से कम सजा दी जाए।

सुल्तानपुर मार्ग पर चल रहा निर्माण, 90 फ़ीसदी कार्य पूरा, अगले माह निर्माण को पूरा करने का है लक्ष्य

अयोध्या में राम भक्तों का अभिनंदन करेगा भरत द्वार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: अयोध्या आने वाले राम भक्तों का हार्दिक अभिनंदन करने के लिए भरत द्वार का निर्माण तेजी से चल रहा है। यह भव्य प्रवेश द्वार अयोध्या-सुल्तानपुर मार्ग पर (मैनुदीनपुर प्रयागराज मार्ग) गेट कॉम्प्लेक्स (टीएफसी) क्षेत्र में बनाया जा रहा है। पर्यटन विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड की निर्माण इकाई द्वारा कार्य संपन्न किया जा रहा है।

भरत द्वार का निर्माण 4.410 हेक्टेयर क्षेत्र में हो रहा है, जिसकी कुल लागत लगभग 2024.90 लाख रुपये है। वर्तमान में इस परियोजना का करीब 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड के परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि अगले माह यानी फरवरी 2026 तक सभी निर्माण कार्यों को अंतिम रूप देने का लक्ष्य है, और इसी माह के आस पास ही इसका लोकार्पण संभव है। यह द्वार अयोध्या नगरी में प्रवेश करने वाले राम भक्तों और श्रद्धालुओं के लिए प्रथम स्वागत स्थल के रूप में कार्य करेगा, जहां भगवान राम के छोटे भाई भरत की भक्ति और मर्यादा का प्रतीकात्मक स्वागत होगा।

अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर मैनुदीनपुर मार्ग पर निर्माणाधीन भरत द्वार।

छह मार्गों पर रामायण से प्रेरित बन रहे द्वार

योगी सरकार ने राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या को विश्व स्तर का पर्यटन केंद्र बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें अयोध्या से जुड़ने वाले प्रमुख छह मार्गों पर रामायण से प्रेरित भव्य प्रवेश द्वारों का निर्माण शामिल है। इनमें राम द्वार, लक्ष्मण द्वार, शत्रुघ्न द्वार, भरत द्वार, सीता द्वार और हनुमान द्वार जैसे नाम शामिल हैं। अयोध्या- सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित भरत द्वार इसी श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह द्वार न केवल सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक होगा, बल्कि इसमें रामायण काल की थीम पर आधारित मूर्तियां, नक्काशी, प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुविधाएं भी होंगी, जो आने वाले तीर्थयात्रियों को त्रेता युग की याद दिलाएंगी।

क्या कार्य हुआ क्या बाकी

दो गेट, रोड, सीवर, ड्रेनेज व सिंचाई लाइन रेनवाटर हार्वेस्टिंग, बाउण्ड्रीवाल, फायर फाइटिंग, ईएसएस का कार्य पूरा हो गया है। वहीं एसटीपी का 85 प्रतिशत, यूजीटी का 90 प्रतिशत, पार्किंग का 80 प्रतिशत, आन्तरिक विद्युतीकरण का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है।

बड़ी संख्या में पहुंच रहे भक्त

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से यहां पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। लाखों-करोड़ों राम भक्त प्रतिदिन दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। भरत द्वार का निर्माण इसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्रेम संबंध में बाधा बना पति गला रेतकर कर डाली हत्या

महिला ने प्रेमी सगे भांजे, साथियों संग दिया वारदात को अंजाम

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव भटपुरा चंदू में बुधवार की रात एक महिला ने अपने प्रेमी और उसके दो साथियों के साथ मिलकर पति की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। गुरुवार सुबह घटना का खुलासा उस समय हुआ जब मृतक का भाई मजदूरी पर जाने के लिए उसके घर पहुंचा। दरवाजा खटखटाने पर पत्नी पूजा ने रोने-बिलखने का नाटक करते हुए बताया कि रात में पति की हत्या हो गई है।

मृतक 30 वर्षीय बलराम गांव भटपुरा चंदू का निवासी था। उसने गांव के बाहर मकान बना रखा था, जहां वह पत्नी पूजा और बच्चों के साथ रहता था। पास में ही भाई राजू की झोपड़ी है। सुबह करीब साढ़े सात बजे राजू जब घर पहुंचा तो घटना की जानकारी हुई। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और बाद में थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एएसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा और सीओ प्रवीण मलिक ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पूछताछ के दौरान पत्नी पूजा घबरा गई। मृतक के भाई राजू ने आरोप लगाया कि पूजा के अपने सगे भांजे आदेश से अवैध संबंध थे और बलराम इसका विरोध करता था। इसी कारण पूजा ने भांजे आदेश और अन्य साथियों की मदद से पति की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक की पत्नी पूजा को हिरासत में लेकर, उसकी, भांजे आदेश और एक अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बलराम।

आरोपी पत्नी पूजा।

- हिरासत में पत्नी, पुलिस को किया गुमराह

पवन की तुतलाती आवाज ने खोली हत्या की परतें

शाहजहांपुर/पुवायां, अमृत विचार : पुवायां थाना क्षेत्र के गांव भटपुरा चंदू में जो हुआ, वह सिर्फ एक हत्या नहीं थी। वह भरोसे और रिश्तों का कत्ल था। जिस घर में बच्चों की किलकारियां गूंजनी चाहिए थीं, उसी घर में खून से सनी चारपाई पर बलराम की लाश मिली। और सबसे दर्दनाक बात यह कि इस हत्या का सच किसी बड़े ने नहीं, बल्कि पांच साल के बेटे पवन ने बताया। घटना के बाद बलराम की पत्नी पूजा रोती-बिलखती रही। सुबह उठकर उसने पति को रजाई में लिपटा, खून से लथपथ पाया यही उसकी कहानी थी। पूजा लगातार पुलिस अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास करती रही। पुलिस अधिकारियों ने बलराम के पांच साल के बेटे पवन से बात की। बातचीत में पवन ने तुतलाती आवाज में जो बताया उसे सुनकर पुलिस अधिकारियों के भी पसीने छूट गए। वहीं गांव के लोग अचंभित रह गए।

ससुरालियों ने बंधक बनाकर 1.78 करोड़ रुपये निकाले

पीलीभीत, अमृत विचार : विवाद के बाद पत्नी से अलग रह रहे व्यक्ति ने ससुरालियों पर संगीन आरोप लगाए। उनका कहना है कि पत्नी व उसके मायके वालों ने उसे अगवा कर बंधक बनाकर रखा और बैंक खाते से 1.78 करोड़ रुपये निकाल लिए। एसपी से शिकायत कर कर्रवाई की मांग की है।

माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव बलकरनपुर निवासी कमलजीत सिंह ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह पत्नी से अलग शहर में अपनी मुंहबोली पुत्री के साथ रहते थे। 25 मई को उसकी पत्नी और साले ने अपने साथियों के साथ मिलकर वल्लभ नगर कॉलोनी के पास से उन्हें असलहों के बल पर अगवा कर लिया। आरोप है कि उसे नशीला इंजेक्शन देकर बेहोश किया गया और बाद में सितारगंज स्थित एक ढाबे के कबाड़नुमा कमरे में जंजीरों से बांधकर रखा गया। इस दौरान उसका मोबाइल, नकदी और जरूरी दस्तावेज भी छीन लिए।

गन्ना भरा ट्रक स्कूल की बोलेरो पर पलटा, बाल-बाल बचे 19 बच्चे

संवाददाता, मोहम्मदी

अमृत विचार: गुलरिया परवसत नगर गन्ना खरीद केंद्र से कुंभी चीनी मिल जा रहा ओवरलोड गन्ना लदा ट्रक गुरुवार को स्कूल की बोलेरो पर पलट गया। यह हादसा गुरुवार दोपहर बाद मोहम्मदी-पुवायां मार्ग पर सुआताली मोड़ पर हुआ। ट्रक पर लदा पूरा गन्ना स्कूल गाड़ी पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि चालक की सूझबूझ और स्थानीय लोगों की तत्परता से 19 बच्चों की जान बच गई।

हादसे में बिचपुरी गांव निवासी 12 वर्षीय सम्राट पुत्र अजीत सिंह घायल हो गया, जिसे सीएचसी मोहम्मदी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी छुट्टी कर दी गई। बताते हैं कि कुंभी चीनी मिल को जाने वाले गन्ने भरे ट्रक और ट्राले ओवरलोड होते हैं। इसको लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन किसी भी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया।

पलटे ट्रक से गन्ना निकालती जेसीबी। • अमृत विचार

- लोगों ने बच्चों को बोलेरो से खींचकर बचाया

नतीजतन गुरुवार को सुआताली मोड़ पर बड़ा हादसा होते बचा। तेज मोड़ पर ट्रक का राफ्टर टूटते ही संतुलन बिगड़ा और ट्रक सीधे एक स्कूली बोलेरो के ऊपर पलट गया। ट्रक पर लदा पूरा गन्ना बोलेरो पर आ गिरा, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। हादसे के वक्त सत्यम पब्लिक स्कूल की बोलेरो में बिचपुरी गांव के 19 बच्चे सवार थे। बोलेरो पूरी तरह पिचककर क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक से राफ्टर टूटने की तेज आवाज आते ही स्कूल बोलेरो चालक सतर्क हो गया और तुरंत बच्चों को नीचे उतारने लगा। इसी दौरान ट्रक पलटने लगा, तो आसपास मौजूद दुकानदारों और मोहल्ले के लोगों ने शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर खींच लिया। कुछ ही पलों में ट्रक पूरी तरह बोलेरो पर आ गिरा, लेकिन तब तक सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। चालक भी बाल-बाल बच गया, जबकि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

बिजली कर्मी को 11,000 की रिश्वत लेते दबोचा

बिलासपुर (रामपुर), अमृत विचार : गोविंदपुरा बिजलीघर में विजिलेंस टीम ने टेक्निशियन को 11,000 रुपये की रिश्वत लेते दबोच लिया। वह बिजली कनेक्शन की फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत ले रहा था।

बिलासपुर क्षेत्र के सिकरौरा गांव निवासी सुखविंदर सिंह ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन (विजिलेंस) से शिकायत की थी कि उनके भतीजे के बिजली कनेक्शन के आवेदन को लंबित रखकर टेक्निशियन नितेश सिंह पैसों का दबाव बना रहा है। शिकायत की पुष्टि होने पर टीम ने गुरुवार दोपहर जाल बिछाया। टेक्निशियन को चकफेरी मोड़ स्थित मिठाई की दुकान पर बुलाया। जैसे ही उसे 11000 रुपये दिए गए वैसे ही टीम ने पकड़ लिया। नितेश सिंह मूल रूप से दिल्ली के स्वरूप नगर का रहने वाला है।

12वीं की छात्रा की नृशंसता से हत्या

- दरांती से अंगुलियां व नाक काटी गला रेता, तहेरा भाई नामजद

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : विकासनगर इलाके में 12वीं कक्षा की एक छात्रा की नृशंसता से हत्या कर दी गई। दरांती से छात्रा की हाथ की अंगुलियों के साथ नाक काट दी गई। गला रेतने के अलावा सिर पर किसी भारी पत्थर से प्रहार किया गया। छात्रा के साथ की गई इस क्रूरता को देख पुलिसकर्मियों की भी रूह कांप गई। इस मामले में पुलिस ने छात्रा के पिता की तहरीर पर छात्रा के तहेरे भाई के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, बुधवार देर रात ढालीपुर हरबर्टपुर में सड़क किनारे झाडियों में एक बालिका का शव बरामद हुआ था जिसकी शिनाख्त मनीषा पुत्री आनंद सिंह निवासी बोक्सा बस्ती ढालीपुर के रूप मे की गई। परिजनों ने बताया कि, बुधवार शाम मनीषा अपने ताऊ के लड़के सुरेंद्र पुत्र छोटा के साथ बाइक से अस्पताल गई थी लेकिन लौटी नहीं। आनन्द की तहरीर पर सुरेन्द्र के खिलाफ हत्या की धारा में अभियोग दर्ज किया गया है। एसएसपी के अनुसार, मौके से सुरेन्द्र की बाइक व घटना में प्रयुक्त दरांती बरामद की गई। पता चला कि सुरेंद्र ने यह दरांती दो दिन पहले खरीदी थी। जिस जगह से छात्रा का शव मिला, वहां पास ही शक्ति नहर है। सुरेंद्र के पकड़े जाने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर यह घटना क्यों की गई।

युवाओं को रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराएं: धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि पात्र लोगों को योजनाओं का समय पर एवं पूरा लाभ मिले, इस पर सभी विभाग विशेष ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि आवंटित बजट का पूर्ण आउटकम प्राप्त हो।

गुरुवार को सचिवालय में कृषि, पशुपालन, पर्यटन एवं उद्योग क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में विशेष ध्यान दें। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के माध्यम से लोगों को इन योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। उच्चस्तरीय बैठकों के कार्यवृत्त उन्नति पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री धामी।

सीएम ने सेब की अतिसघन बागवानी योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रभावी ढंग से संचालित कर निर्धारित लक्ष्यों को समय से प्राप्त करें तथा किसानों को अधिकाधिक प्रोत्साहन प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि किसानों से संबंधित देयकों का भुगतान समय पर हो। किसानों को उनके उत्पादन का बेहतर मूल्य मिले, इसके लिए राज्य में कीवी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। शहद उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं को देखते हुए 'हनी मिशन' में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करें।

मंदिर निर्माण समिति की बैठक में कार्यों के हस्तांतरण पर मंथन

अयोध्या, अमृत विचार : राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में आधुनिक सुरक्षायुक्त बाउंड्री वॉल के निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन परिसर में संपूर्ण निर्माण का कार्य संपन्न हो चुका है। अब श्रद्धालुओं को राम मंदिर के साथ अन्य मंदिर व स्थानों तक जाने की अनुमति देने की पहल शुरू हो गई है। इसके साथ ही सभी कार्यों को निर्माण समिति ने ट्रस्ट को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को दो दिवसीय बैठक के पहले दिन राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण संस्था एलएंडटी व टाटा कंपनी के साथ परिसर के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया।

न्यूज ब्रीफ

महिला संग युवक ने की छेड़छाड़, रिपोर्ट दर्ज

क्योलड़िया, अमृत विचार : रात में शौच को गई महिला से युवक ने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की। विरोध करने पर युवक महिला के गाल पर चांटा मारकर फरार हो गया। महिला के पति ने थाने में नामजद तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के गांव की महिला के मकान के पड़ोस में बने शौचालय में रात के 10 बजे महिला शौच को गई थी गांव का आरोपी युवक राजेंद्र महिला का हाथ पकड़ कर खींचकर ले जाने लगा और छेड़छाड़ करने लगा महिला ने विरोध करते हुए हाथ छुड़ाने कि कोशिश कि तो युवक ने महिला के गाल पर चांटा जड़ दिया और जान से मारने की धमकी देता हुआ फरार हो गया। महिला पति को घटना की जानकारी दी। पति की तहरीर पर पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

मंदिर में पूजा करते समय हमला, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव टिटौली के एक ग्रामीण ने मंदिर में पूजा करते समय गांव के तीन लोगों पर लाठी डंडों से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गांव टिटौली निवासी मिश्रपाल ने बताया वह गांव के मंदिर में पूजा कर रहे थे। गांव के जितेंद्र, सुरेन्द्र, माधव सक्सेना ने अचानक उनके ऊपर लाठी डंडों और चाकू से हमला कर दिया जिससे वह घायल हो गए सूचना पर उनके परिजनों के पहुंचने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मेडिकल को भेज कर जांच शुरू कर दी है।

कार के आगे बैलगाड़ी लगाकर की मारपीट, ढाई लाख लूटकर फरार

प्लॉट की रजिस्ट्री कराने जा रहे लोगों को रोककर छीना बैग, चार लोग हिरासत में

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: प्लॉट का बैनामा कराने फरीदपुर रजिस्ट्री ऑफिस जा रहे मां-बेटों को मारपीट कर उनसे ढाई लाख रुपये लूटने का आरोप लगाया है। लोग तमाशबीन बनकर वीडियो बनाते रहे और बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। कुछ देर बाद यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया मारपीट में घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया। पुलिस ने लूट की घटना से इंकार किया है और इसे आपसी लड़ाई बताया है।

भुता निवासी डा. टीआर चक्रवर्ती ने कस्बे में 150 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा। उसी प्लॉट की रजिस्ट्री कराने को डाक्टर की पत्नी सावित्री, बेटा आकाश व कुलदीप कार से फरीदपुर रजिस्ट्री कार्यालय जा रहे थे। आकाश ने बताया कि उनके पास मां के पास ढाई लाख रुपये रखे थे। फरीदपुर-भुता मार्ग पर भसोकार गांव के पास बदमाशों ने पहले बैलगाड़ी लगाकर गाड़ी रोकी और भुता निवासी कुलदीप और आकाश सावित्री देवी को गाड़ी से बाहर खींच लिया और मारपीट करते हुए रुपयों से भरा बैग छीनने का प्रयास किया। रुपयों का बैग न देने और विरोध करने पर बदमाशों ने मां-बेटों को पीटने लगे। खुद को बचाने के लिए महिला खेतों की तरफ भागी तो बदमाशों ने लाठी बरसाना शुरू कर दी जिससे वह घायल हो गई। तभी सावित्री के हाथ से बैग छूट गया और बैग में रखे ढाई लाख रुपए लूट कर आसानी से बदमाश फरार हो गये।

सरेराह बदमाश वारदात करते रहे लेकिन किसी ग्रामीण ने उन्हें रोकने का प्रयास नहीं किया अलबत्ता वह घटना की वीडियो बनाते रहे। वीडियो में बदमाशों के हाथों में लाठी और वह मां बेटे पर हमला करते दिख रहे हैं। वीडियो में न पीटने की गुहार लगा रहे हैं और बचाने की मदद मांग रहे हैं। घटना के बाद घायल अवस्था में मां बेटे थाने पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी देकर तहरीर दी है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है। प्रभारी निरीक्षक फरीदपुर राधेश्याम ने बताया कि सड़क पर अचानक डनलप मोड़ देने पर दोनों पक्षों में मारपीट हुई है। आरोपी पक्ष का गांव पास में था इसलिए उसने अपने साथियों को बुला लिया। दोनों पक्ष एक दूसरे को जानते हैं। लूट होने की बात गलत है।

फरीदपुर कोतवाली में मौजूद पीड़ित पक्ष के लोग। ● अमृत विचार

आरोपी से अपने को बचाती सावित्री।

लाठी लेकर मारने दौड़ता आरोपी।

● पुलिस ने लूट की घटना को बताया गलत, रिपोर्ट दर्ज नहीं

नहर कटी, सैकड़ों बीघा फसल बर्बाद

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : क्षेत्र की शेरगढ़ रजवाहा एक बार फिर किसानों के लिए मुसीबत बन गई। सिंचाई विभाग की लापरवाही के चलते मोहल्ला कांवर के आसपास नहर वर्षों से बार-बार कटती आ रही है। बुधवार की रात मोहल्ला कांवर और बालपुर गांव के बीच फिर नहर कटने कई किसानों की सैकड़ों बीघा में खड़ी गेहूं, सरसों और गन्ने की फसलें जलमग्न हो गईं।

रात में सोए किसान गुरुवार सुबह उठे तो खेतों में पानी भरा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बसंत के मौसम में अपने यौवन पर पहुंची फसलें डूबने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। किसानों का कहना है कि नहर बार-बार कटती है और हर बार नुकसान किसानों को ही उठाना पड़ता है।

नहर कटने से मोहल्ला कांवर निवासी शांति स्वरूप भारद्वाज, चंद्रपाल पप्पू, पुनीत शर्मा, शिवकुमार शर्मा, महेंद्र पाल, जगदीश प्रसाद, ओमप्रकाश, ओमशंकर मिश्रा सहित कई किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं। किसानों ने तहसील प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और फसल क्षति का मुआवजा देने की मांग की है।

भाकियू अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष तेजपाल गंगवार ने सिंचाई विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि मरम्मत और सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, फिर भी नहर की हालत जस की तस है। सिंचाई विभाग के जेई पंकज सक्सेना ने बताया कि मजदूरों को भेजकर नहर की मरम्मत करा दी गई है।

किसान शांति स्वरूप भारद्वाज कहते हैं कि नहर को पहले ही ठीक करा दिया गया होता तो तमाम किसानों को नुकसान नहीं उठाना पड़ता। अफसर और जनप्रतिनिधियों को किसानों से मतलब नहीं रह गया है।

महेंद्र पाल ने बताया कि नहर की सफाई के नाम पर हर बार औपचारिकता निभाई जाती है। नहर में चूहों ने बिल बना लिए हैं। नहर की मरम्मत और सफाई कराई गई होती तो नुकसान नहीं होता।

शेरगढ़ में मोहल्ला कांवर के निकट कटी नहर दिखाता किसान।

तालाब का पानी काटने से 30 बीघा फसल डूबी

भमौरा, अमृत विचार : तालाब का पानी खेतों में जाने से 30 बीघा जमीन पर लगी फसल बर्बाद होने का आरोप लगाया गया है। ग्राम भमौरा निवासी सतीश चंद्र सक्सेना, सुरेंद्र देव सक्सेना व नरेंद्र देव सक्सेना की गांव किनारे बने तालाब के पास लगभग 65 बीघा जमीन है, जिसमें से लगभग 30 बीघा जमीन तालाब के किनारे है। तालाब के किनारे बने डोरे के कट जाने के डर से चलते कई बार एसडीएम आंवला के साथ खंड विकास अधिकारी आलमपुर जाफराबाद व संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दे निस्तारण की मांग की गई। लेकिन कोई निस्तारण नहीं हुआ। मंगलवार को हुई बारिश के बाद तालाब लबालब पानी से भर गया। जिसके चलते बुधवार रात तालाब का डोरा कट गया। इससे लगभग 30 बीघा गेहूं व सरसों की फसल जल मग्न हो बर्बाद हो गई। जिसकी सूचना हल्का लेखपाल गौरव कुमार को दी गई।

कमरे में मिला संविदा कर्मी का शव

भुता अमृत विचार। कस्बा भुता में किराए पर रह रहे कमरे में संविदा कर्मी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। पुलिस ने शव को सील कर पोस्टमार्टम हेतु बरेली भेज दिया है।

पुलिस ने बताया कि शिवेंद्र प्रताप (25) निवासी ग्राम मझोला जिला हाथरस स्वास्थ्य विभाग में संविदा कर्मी के पद पर ग्राम मगरासा में कार्यरत था। वह कस्बा भुता में संजीव कुमार के मकान में दूसरी मंजिल के कमरे में किराए पर रहता था। गुरुवार दोपहर तक शिवेंद्र कमरे से नहीं उठा। तो मकान मालिक संजीव ने देखा कि कमरा अंदर से बंद है। तभी आसपास के लोगों को बुलाया, और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरा के दरवाजे का कुंडा तोड़कर खुलवाया तो देखा शिवेंद्र मृत हालत में पड़ा हुआ था। परिजनों को सूचना दी गयी है। बाद में पुलिस ने पंचनामा भर शव को सील कर पोस्टमार्टम हेतु बरेली भेज दिया। बताया जाता है कि वह शराब पीने का आदी था। पीएम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा की मृत्यु कैसे हुई है।

तालाब में उतराता मिला ग्रामीण का शव

भुता, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव बेवल बसंतपुर में तालाब में ग्रामीण का शव उतराता हुआ ग्रामीणों ने देखा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को तालाब से निकलवाकर मौके पर जांच पड़ताल की। थाना क्षेत्र के गांव बेवल बसंतपुर में गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में एक ग्रामीण का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसे बाहर निकलवाया। छोटे भाई पप्पू ने शव की शिनाख्त बड़े भाई ओम प्रकाश (60) बेवल बरकतपुर के रूप में की। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब में मछली पालन होता है। मृतक तालाब पर मजदूरी पर मछलियों की देखभाल करता था। मृतक की शादी नहीं हुई थी तथा मृतक दो भाई थे। ग्रामीण की मौत पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

अब अपराधियों की गतिविधियों पर डिजिटल नजर

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : गुरुवार को एसपी उत्तरी मुकेश मिश्रा वार्षिक निरीक्षण के लिए कोतवाली पहुंचे। करीब तीन घंटे तक चले निरीक्षण में उन्होंने पुलिसिंग की जमीनी हकीकत को परखा। कहीं सराहना की तो कहीं सख्ती भी दिखाई।

पौने दो बजे कोतवाली पहुंचते ही एसपी उत्तरी ने गारद की सलामी ली और सीधे निरीक्षण में जुट गए। साफ-सफाई की स्थिति को बेहतर बताया। तो शाबाशी दी साथ ही अभिलेखों के रखरखाव में लापरवाही देखकर कड़ी चेतावनी भी दी। निरीक्षण के दौरान बैरकों में सीलन और टूटे प्लास्टर पर उनकी नजर पड़ी तो तत्काल मरम्मत के निर्देश दिए गए। मैस में लगे पुराने गैस पाइप को भी बिना देरी बदले जाने के आदेश दिए।

पत्रकारों से बातचीत में एसपी उत्तरी ने अपराध नियंत्रण की दिशा में तकनीक की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने डीजीपी द्वारा शुरू किए गए यक्ष एप की जानकारी देते हुए कहा कि अब अपराधियों की गतिविधियों पर डिजिटल नजर रखी जाएगी और उनकी लोकेशन पल-पल पुलिस के पास रहेगी। उन्होंने ग्राम प्रधानों से गांवों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का भी आह्वान किया। एसपी उत्तरी ने कोतवाली परिसर में तैयार विवेचना रूम को तत्काल आवंटित कर उपयोग में लाने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे विवेचनाओं में गति और पारदर्शिता आएगी। निरीक्षण के दौरान सीओ नीलेश मिश्रा, कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव, चौकी इंचार्ज सुनील कुमार सहित समस्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

कोतवाली का निरीक्षण करते एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ● अमृत विचार

पेंशन निकालने जा रही विधवा को कार ने कुचला

हाफिजगंज, अमृत विचार : विधवा पेंशन निकालने बैंक जा रही महिला को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

हाफिजगंज निवासी जरीना बेगम (50) मंगलवार को बैंक से विधवा पेंशन निकालने के लिए घर से निकली थीं। तभी पीलीभीत की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और घायल महिला को तत्काल नवाबगंज सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मोहल्ले के लोगों के अनुसार मृतका के छह बेटियां और एक बेटा है। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और घर का खर्च आसपास के लोगों की मदद से चलता था। महिला की मौत के बाद परिवार पर संकट और गहरा गया है।

कांग्रेस ने समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र आंवला की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव ओमवीर यादव तथा नगर अध्यक्ष सरफराज बेग ने तहसील परिसर में एसडीएम विदुषी सिंह को पाँच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

नेताओं ने नगर क्षेत्र में खुले में कूड़ा डाले जाने की समस्या पर चिंता जताते हुए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम के लिए भूमि चिन्हित कर शीघ्र व्यवस्था लागू करने की मांग की। विशेष रूप से मोहल्ला बेहटा में प्राथमिक विद्यालय के समीप कूड़ा डंप किए जाने से बच्चों एवं स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे दुष्प्रभाव की ओर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

ज्ञापन में ग्राम आसपुर व राजपुर के किसानों की लगभग 500 बीघा भूमि में जलभराव की गंभीर समस्या का उल्लेख करते हुए एवं नाला निर्माण कर गंदे पानी को नहर में छोड़े जाने की मांग की गई, आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से फसलों को हो रहे नुकसान से बचाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष युसुफ सैफी, ब्रह्मा शंकर मौर्य, फैजान खान, रमेशचंद्र, महावीर सिंह, प्रेम शंकर, महावीर शर्मा, मनोज, जयवीर, सुब्हान अंसारी, अलाउद्दीन अंसारी, डब्बल यादव, राजीव अग्रवाल फैजान खान, जाहिर अहमद, योगेंद्र यादव, छोटेलाल, शकील अहमद, अमित सुरेंद्र, महावीर, दुर्गेश आदि मौजूद रहे।

घर में घुसकर दंपती पर हमला

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम बसेगा, ग्राम पंचायत ढकिया में बच्चों की कहासुनी के बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि शिकायत के बाद घर लौटी महिला के घर में घुसकर चार लोगों ने दंपती के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता के अनुसार, बीती शाम करीब छह बजे वह बच्चों के विवाद को लेकर पड़ोस में शिकायत करने गई थी। कुछ देर बाद चार लोग एक राय होकर उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए पीड़िता व उसके पति के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने महिला के बाल पकड़कर उसे पीटा और कान से सोने की बाली निकाल ली। पति के चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे, ।

गाड़ी से पहुंचे चोर, घी पनीर और दूध ले उड़े

संवाददाता, नवाबगंज,

अमृत विचार : कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज के सामने संचालित एक दूध की एजेंसी को चोरों ने देर रात निशाना बना लिया। अज्ञात चोर एक वाहन से पहुंचे और दुकान से हजारों रुपये का पनीर, दूध और घी चोरी कर फरार हो गए। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

घटना देर रात की है। चोरों ने दुकान में रखा करीब एक कुंतल पनीर, 10 क्रेट दूध और पांच टीन देशी घी चोरी कर लिया। सुबह जब एजेंसी संचालक वरुण शर्मा दुकान खोलने पहुंचे तो सामान गायब देखा। दुकानदार ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें तीन से चार लोग चोरी करते हुए साफ नजर आए, वहीं एक इको वाहन भी फुटेज में दिखाई दे रहा है, जिससे चोर मौके पर पहुंचे थे। घटना की तहरीर एजेंसी संचालक द्वारा पुलिस को दे दी गई है।

पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कस्बे के व्यस्त इलाके में हुई इस चोरी की घटना से दुकानदारों में नाराजगी और भय का माहौल है। व्यापारियों ने रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

● सीसीटीवी में कैद हुई वारदात व्यापारियों में दहशत

परीक्षा पर भारी प्रशिक्षण | परीक्षा वाले दिन शिक्षक प्रशिक्षण में गये, कैसे हुआ पेपर अफसरों को चिंता नहीं

परिषदीय स्कूलों में बच्चों की परीक्षा से खुला खिलवाड़

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में जहां एक ओर बच्चों की परीक्षाएं चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर अंग्रेजी और सामाजिक विषय के शिक्षकों को तीन दिन के प्रशिक्षण में बुलाकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान ने शिक्षा व्यवस्था की लापरवाही को उजागर कर दिया है। हालात इतने विरोधाभासी हैं कि जिन शिक्षकों को बच्चों की परीक्षा लेनी थी, वही प्रशिक्षण कक्षों में हाजिरी लगाते रहे।

चौंकाने वाली बात यह है कि परिषदीय विद्यालयों में अधिकांश जगह शिक्षकों को ही अपने विषय का प्रश्नपत्र तैयार कर बोर्ड पर लिखना होता है। ऐसे में जब अंग्रेजी और सामाजिक विषय के शिक्षक ही परीक्षा के समय अनुपस्थित रहे, तो संबंधित विषयों की परीक्षा किस स्तर की हुई होगी, यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। अफसर बताते हैं कि स्कूलों में मौजूद शिक्षकों ने परीक्षाएं संपन्न कराई।

बताते हैं कि स्कूलों के तमाम शिक्षक पहले ही बीएलओ ड्यूटी में लगे हैं। स्कूलों में शिक्षकों की कमी पहले से ही है। विषयवार शिक्षकों को परीक्षा के समय प्रशिक्षण में बुलाकर अफसरों ने अदूरदर्शिता का परिचय दिया है। जिले से करीब 110 शिक्षकों को प्रशिक्षण में शामिल किया गया और औपचारिकता निभाते हुए जिला प्रशिक्षण संस्थान ने प्रमाण पत्र बांटकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। लेकिन डायट अफसरों ने इस 'खानापूर्ति प्रशिक्षण' की कीमत बच्चों की पढ़ाई और परीक्षा की गुणवत्ता ने क्यों चुकाई है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के नाम पर परीक्षा से खिलवाड़ अब व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

डायट फरीदपुर में हुए उच्च प्राथमिक और प्राइमरी के अंग्रेजी और सामाजिक विषय शिक्षकों का प्रशिक्षण हुआ। इसमें 110 शिक्षकों ने शामिल रहे। डायट प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय ने सीखे गए ज्ञान को बच्चों के बीच लागू करने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के नोडल श्रीकांत मिश्रा ने सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना कौशल की जानकारी दी। प्रशिक्षण के मास्टर ट्रेनर बृजेश कुमार शर्मा ने पाठ योजना के बारे में विस्तार से बताया। मथुरा प्रसाद वर्मा ने अंग्रेजी कविता के पाठ योजना की जानकारी दी। अजीत कुमार शर्मा ने गतिविधियों के माध्यम से अंग्रेजी व्याकरण तथा रामेंद्र कुमार गंगवार ने प्रश्न निर्माण की जानकारी दी।

प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। ● अमृत विचार

● सामाजिक विषय तथा अंग्रेजी विषय के शिक्षकों को तीन दिनी प्रशिक्षण देकर प्रमाण पत्र बांटे

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र तौकीर रजा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। तबस्सुम पुत्र नसीर अहमद निवासी मो. नम्बर 4 कस्बा व थाना बिल्सी, तह. बिल्सी, जिला बदायूं (उ.प्र.)

सूचना

मैंने अपना नाम AJAZ AHMAD से बदलकर EJAJ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे EJAJ AHAMAD (एजाज अहमद) पुत्र ABDUL QADEER (अब्दुल कदीर) ग्राम टांडा सादात पोस्ट सैंथल नवाबगंज बरेली के नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मैंने अपने पुत्र अवधपाल एवं उसकी पत्नी आरती से गलत आचरण के चलते संबंध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। जयपाल सिंह यादव पुत्र सूरज सिंह नि ग्राम खेमूनगला तहसील व थाना फरीदपुर, बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस इलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वास रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटर) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA
आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लैंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

वंदेभारत से टकराया पशु, रुकी ट्रेन

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : बरेली की ओर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस गुरुवार की शाम बिलपुर रेलवे क्रॉसिंग संख्या पर गोवंशीय पशु से टकरा गई । जिससे कोचों में बैठे यात्री कुछ देर के लिए सहम गए। आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर ट्रेन के अगले हिस्से में फंसे पशु को जेसीबी से निकलाया। लगभग 15 मिनट बाद ट्रेन गंतव्य को रवाना हो गई।

रंजिशन दो पक्षों में मारपीट, सात पर रिपोर्ट

मानपुर, अमृत विचार : थाना शीशगढ़ के चौकी क्षेत्र मानपुर के ग्राम मदनापुर में दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों के सात लोगों पर मुकद्दमा दर्ज किया है। ग्राम मदनापुर निवासी अमीर दूल्हा व सादिक के बीच एक पुराने मुकदमे को लेकर रंजिश चल रही है। इसी रंजिश को लेकर दोनों ही पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में सादिक व अमीर दूल्हा घायल हो गए। पुलिस ने शिकायत मिलने पर दोनों पक्षों के आरिफ, सादिक, सारिक समीर व अमीर दूल्हा, शानू, छोटे के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मारपीट में प्रधान और जिला पंचायत सदस्य के पक्ष पर मुकदमा

मीरगंज,अमृत विचार : नगरिया सादात रेलवे स्टेशन के पास स्थित अंडरपास में मारपीट करने के मामले में प्रधान पुत्र ने जिला पंचायत सदस्य समेत चार लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है वहीं जिला पंचायत सदस्य के लोगों ने प्रधान पक्ष पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। मीरगंज में बुधवार शाम को रेलवे स्टेशन के पास अंडरपास में मारपीट हुई थी। भाजपा से जुड़े दोनों पक्षों ने थाने में तहरीर दी । नथपुरा गांव के सचिन गंगवार की तहरीर पर पुलिस ने जिला पंचायत सदस्य निरंजन, राहुल, विशाल एवं रवि निवासी नथपुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। निरंजन यदुवंशी जिला पंचायत सदस्य हैं। सचिन का आरोप है बुधवार शाम पांच बजे वह रिश्तेदार को छोड़ने मीरगंज गए। आरोपियों ने रेलवे स्टेशन अंडरपास में रास्ता रोककर गाली गलौज की और लात-घूसों व लाठी-डंडों से पीटा। जिला पंचायत सदस्य के भाई राहुल की तहरीर पर पुलिस ने गुरुवार को महावीर प्रसाद, सोमपाल एवं सचिन निवासी नथपुरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महावीर की पत्नी गांव नथपुरा की ग्राम प्रधान हैं। राहुल का आरोप है वह बुधवार शाम होटल पर गए थे। पहले से घात लगाए बैठे आरोपी उन पर हमलावर हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नारायण नगला रोड पर कभी कपड़े धोने का घाट हुआ करता था अब शहर की गंदगी डालने की जगह बन गया

धोबी तालाब का होगा सौंदर्यीकरण, 25 लाख की पहली किश्त जारी

संवाददाता, बहेड़ी

तालाब पर पड़ी गंदगी अब नहीं दिखेगी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शहर के धोबी तालाब का अब सौंदर्यीकरण किया जाएगा। सरकार ने पोखर, झील और तालाबों के संरक्षण योजना के तहत सरकार ने धोबी तालाब के संरक्षण के लिए करीब 52 लाख रूपये स्वीकृत किए हैं।सरकार ने पहली किश्त के रूप में 25लाख रूपये जारी भी कर दिए हैं।

शहर में नारायण नगला रोड पर धोबी तालाब है। लम्बे अरसे तक यह तालाब धोबियों के लिए कपड़े धोने का ठिकाना था, लेकिन फिर यह शहर भर की गंदगी डालने की जगह बन गया। हालत यह हो गई कि तालाब की जगह यह कूड़े का डलाव घर बन कर रह गया।

तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए नगर पालिका द्वारा भेजे प्रस्ताव को शासन ने मंजूर कर लिया और प्रदेश की 6 नगर पालिकाओं में तालाबों के सौंदर्यीकरण की मंजूरी पोखर, तालाब और झील संरक्षण योजना के तहत दी, जिसमें बहेड़ी नगर पालिका भी शामिल है। योजना के तहत शासन ने 3 करोड़ 15 लाख 72 हज़ार रूपये मंज़ूर किए,और पहली किश्त के रूप में 1करोड़ 50 लाख रूपये जारी कर दिए। उम्मीद है कि जल्द ही इस पर काम शुरू हो जाएगा।

लेकिन सड़क से दूर हो जाएगा तालाब, पैमाइश को लेकर है शिकायत : धोबी तालाब अपने अस्तित्व के वक़्त सड़क किनारे था। वक़्त के साथ यह जगह बेशकीमती होती गई, और इस पर लोगों की नज़र भी बढ़ती गई। पिछले दिनों तालाब पर कब्ज़े को लेकर शिकायतें भी हुईं। इस पूरे रकबे में करीब 14बीघा तालाब बताया जाता है, जबकि ढाई बीघा के करीब दूसरों की आराज़ी है।

नगर पालिका के सभासदों ने डीएम से शिकायत की थी कि तालाब के 14 बीघा रकबे का ज़रा सा भी हिस्सा फ्रंट यानि सड़क किनारे नहीं दिया गया, जबकि ढाई बीघा रकबा पूरा का पूरा सड़क किनारे नापा गया है। सभासदों ने इसकी पैमाइश गलत किए जाने और असरदारों को फायदा पहुँचाने का इल्ज़ाम लगाया था। डीएम ने इस मामले में दूसरी तहसील के अधिकारियों को शामिल कर जाँच कराने को कहा था, लेकिन काफी समय गुज़रने के बाद भी शिकायतकर्ता सभासदों को इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया।सभासद सलीम चंदा और मोहम्मद हसन का कहना है कि हमारी शिकायत का क्या नतीजा रहा, इस बात की जानकारी हमें नहीं दी गई है।

यह भी जानकारी मिली है कि नगर पालिका ने तहसील की नपत को अदालत में चैलेंज किया था,लेकिन बाद में मुकदमा वापस ले लिया गया।फिलहाल देखने वाली बात यह होगी कि पैमाइश में गड़बड़ी के इल्ज़ाम को किनारे कर तालाब के सौंदर्यीकरण का काम शुरू होता है या सभासदों की शिकायत पर कुछ अमल होता है।

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

बरेली, अमृत विचार : आदर्श निकेतन इंटर कॉलेज अटामांडा में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ. कुलदीप कुमार बिश्नोई ने किया।

कार्यक्रम अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि सात दिवसीय शिविर में नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, मतदाता जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। डॉ. बिश्नोई ने डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के महत्व पर चर्चा की।

यूजीसी : आंवला बार एसो. ने किया प्रदर्शन

जातिगत भेदभाव के जरिए अब हिन्दुओं को आपस में बांटने के नए नियमों के विरोध में आक्रोश

बार एसोसिएसन आंवला के महासचिव राजपाल मौर्य ने तहसीलदार को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ● अमृत विचार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए जातिगत भेदभाव विरोधी के नए नियमों के विरोध में गुरुवार को आंवला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा को सौंपते हुए नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की।

आंवला बार एसोसिएशन के महासचिव राजपाल मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित विरोध कार्यक्रम में अधिवक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नए नियम देश के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने वाले हैं। उनका आरोप है कि इन नियमों की आड़ में विशेष रूप से सवर्ण समाज को शिक्षा जैसे मूल अधिकार से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। नए नियमों के तहत शिकायतों पर मात्र सात दिन के भीतर कार्रवाई का प्रावधान है, जबकि समुचित सुनवाई की प्रक्रिया स्पष्ट नहीं की गई है। इससे शिक्षा संस्थानों में भय और असुरक्षा का माहौल उत्पन्न होने की आशंका है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि शिकायत समितियों की संरचना और कार्यप्रणाली स्पष्ट न होने से निर्दोष छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के उत्पीड़न की संभावना बढ़ गई है। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी ने इन नियमों को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान बार एसोसिएशन सहित तमाम अधिवक्ताओं ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। वरिष्ठ अधिवक्ता निर्दोष चतुर्वेदी, पं. गंगा प्रसाद शर्मा, अगरपाल सिंह, शिवम सिंह, रमन सिंह, सत्येंद्र पाल सिंह, रमाकांत तिवारी, अवनीश तिवारी, संजीव पाठक, गौरव शंखधार, इंद्रभान सिंह, राधे कृष्ण माहेश्वरी, विष्णु पाल सिंह, पराग गुप्ता, शेखर शर्मा, मेहरबान, दीपक सक्सेना, कामेश कुमार सिंह,दिनेश पाल सिंह,अनेक पाल सिंह, सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण समाज ने सौंपा ज्ञापन

नायब तहसीलदार शिवा वर्मा को ज्ञापन देते सवर्ण। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: यूजीसी कानून के विरोध में सवर्ण समाज प्रदर्शन कर राष्ट्रपति , मुख्य न्यायाधीश व राज्यपाल को सम्बोधित मांग पत्र नायब - तहसीलदार को सौंपकर यूजीसी कानून को समूल समाप्त करने की मांग की ।

एक बारात घर में हुई सवर्ण समाज की बैठक में वक्ताओ ने एक स्वर से इसे सवर्ण विरोधी व मौलिक अधिकारो का हनन बताते हुए इसकी कड़ी निन्दा की । जिसके बाद यूजीसी कानून विरोधी नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने नायब तहसीलदार को मांग पत्र सौंपा ।

प्रदर्शन में ब्राहमण सभा के संरक्षण पूर्व प्रधानाचार्य सुरेश चन्द्र शुक्ला, व्यापार मण्डल के प्रदेश सचिव विनोद गुप्ता, सत्य नारायण शर्मा, नत्थू लाल गुप्ता,गोपाल गुप्ता, अखिलेश उपाध्याय, वीरेन्द्र गुप्ता, होलिका समिति के अध्यक्ष राजीव गुप्ता,दयानन्द गौड़, नीतीश उपाध्याय, शुभ्रा शर्मा, आरती मिश्रा, उर्वशी शर्मा , हरित सेना के संयोजक आचार्य अरविन्द ,रविन्द्र ठाकुर, मदन मोहन दीक्षित , शैलेन्द्र शर्मा, कपिल शर्मा, राजीव शुक्ला,मोहित मिश्रा, शरद गुप्ता, शिवांश मिश्रा, राजेश सूरी, उमेश चन्द्र शर्मा, देवदत्त शर्मा, दीपू शर्मा व कमलेश शंखधार, गोविंद मिश्रा,वरुण शर्मा,संजीव मिश्रा,वीरेंद्र गुप्ता लल्लू सहित बड़ी संख्या मे सवर्ण समाज के लोग शामिल रहे ।

किसानों की लड़ाई में सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

किसानों का समर्थन करने पहुंचे कांग्रेसी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पदाधिकारियों ने किसानों के धरना-प्रदर्शन का किया समर्थन
- बीज प्रकरण में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

अमृत विचार : यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष साहिब सिंह ने शुक्रवार को गांधी पार्क चौकी चौराहे पर चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन सत्याग्रह और धरना प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि किसानों के चार करोड़ रुपये मूल्य के लगभग 10 हजार क्विंटल गेहूं और धान के बीज की लूट की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और प्रभावित किसानों को उनके बीज का उचित मूल्य व मुआवजा दिलाया जाए।

17 जनवरी से धरना प्रदर्शन कर रहे किसान यूपी बीज विकास निगम से जुड़े गोदाम बदायूं के बजीरगंज क्षेत्र में हुई धोखाधड़ी और लापरवाही के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। आरोप है कि पुलिस- प्रशासन से शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मिर्जा असफाक सकलैनी ने कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ है, अगर मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो कांग्रेसी सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करेंगे। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि देश का अन्नदाता किसान आज हर तरह से परेशानियों से जूझ रहा है। डॉ. हरीश गंगवार, जगदीश सरन, जाहिद अली, रमेश चंद्र श्रीवास्तव, विपिन पटेल, उल्फत सिंह, सुरेश दिवाकर ,आशीष रूस्तम, कमरूद्दीन सैफी, आमिर सैफी आदि मौजूद रहे।

टप्पेबाजों ने बाजार जा रही महिला से उतरवाए कुंडल

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : कैंट क्षेत्र के नकटिया इलाके में दो टप्पेबाजों ने बाजार से सामान खरीदने जा रही महिला को रास्ते में रोक कर कानों से सोने के कुंडल उतरवा लिए और उसके पास से 200 रूपए भी ले लिए। इसके बाद फरार हो गए। महिला ने अपने साथ ठगी होने का एहसास होने पर कैंट पुलिस को तहरीर दी है।

थाना क्षेत्र के आदर्श नगर कॉलोनी गली नंबर 8 मोहनपुर रोड निवासी रेनू रानी पत्नी नकुल सिंह ने बताया, कि । उनके पति ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक पेपर मिल में काम करते हैं। गुरुवार को शाम वह सामान खरीदने के लिए नकटिया बाजार गई थीं। इसी दौरान दो अज्ञात युवक उनके पास आए और मां संबोधित करके उनसे बात करने लगे। विश्वास में लेकर आरोपियों ने महिला से उसके कानों के कुंडल उतरवा लिए, और 200 रूपए भी मांग कर ले लिए। आरोपियों ने महिला से कहा, कि पीछे मुड़कर मत देखना वरना अनर्थ हो जाएगा। कुछ देर के बाद महिला ने पीछे मुड़कर देखा, तो दोनों आरोपी गायब थे। महिला ने कैंट पुलिस को मामले की तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पति और उसके दोस्त पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

बिशारतगंज, अमृत विचार: दहेज के लिए प्रताड़ित और मारपीट करने पर विवाहिता ने पति और उसके दोस्त के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बदायूं के थाना बिनावर के गांव सिकरौडी के रहने वाले संजीव की पत्नी कविता ने बताया है कि वह थाना बिशारतगंज के धीरपुर गांव की रहने वाली है। 15 वर्ष पूर्व उसकी शादीसंजीव से हुई थी। आरोप लगाया कि संजीव गांव के ही एक लड़के के साथ मिलकर घर में बाहरी महिलाओं को लाता है। विरोध करने पर मारपीट करता है और घर से निकालने की धमकी देता है। दहेज में मायके से तीन लाख रूपये लाने को कहते हुए मारपीट करता है।

चूरई दलपतपुर में घर में लगी आग, गृहस्थी जलकर राख

संवाददाता, मीरगंज

घर में लगी आग से उठती लपटें।

अमृत विचार : शॉर्ट सर्किट से व्यापारी के घर में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और घर में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग से लाखों रुपयों का सामान जल कर राख हो गया।

गांव चुरई दलपतपुर निवासी फूलशाह के घर में गुरुवार को शॉट सर्किट से आग लग गई। आग की लपटें व धुंआ निकलता देखकर घर की महिलाओं को जानकारी हुई तो उन्होंने बच्चों सहित कुछ सामान बाहर निकालकर पडोसियों को सूचना दी। आसपास के लोगों की मदद से किसी तरह आग बुझाई। आग से कमरे में रखा इनवर्टर, बैटरी, कूलर, फ्रिज, वॉशिंग मशीन आदि जलकर रख हो गए। घटना के समय फुल शाह मीरगंज में दुकान पर थे।

न्यूज डायरी

श्रीमद् भागवत कथा के बाद हुए भंडारे में जुटे भक्त

भमोरा,अमृत विचार : बल्लिया स्थित समाजसेवी गुरु सोनी बुआ किन्नर के आवास पर भव्य शोभा यात्रा के साथ प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा का गुरुवार सुबह हवन आहुति के साथ समापन हुआ। वृंदावन धाम से आए कथा वाचक बृजेश कृष्ण शास्त्री ने सभी को प्रसाद वितरण किया। इसके बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तगणों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर पंडित गोविंद भारद्वाज,पायल बुआ किन्नर आदिल उपस्थित रहे।

दलितों, पिछड़ों को फिर पाषाण युग में धकेलने की साजिश

बहेड़ी, अमृत विचार : विधायक अताउर रहमान ने कहा कि जातिगत आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से मुक़ाबला करते हुए बाबा साहब डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर ने समाज में समानता लाने के लिए देश का संविधान बनाया था, लेकिन आज संविधान को बदलने की साज़िश रची जा रही है। संविधान पर खतरा है और दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को फिर पाषाण युग में धकेलने की कोशिश हो रही है। विधायक गांव मानपुर में आयोजित पीडीए पंचायत में बोल रहे थे। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों को बनाए रखने के लिए सचेत रहने और संघर्ष कर इस नई लड़ाई को जीतने की अपील की। सपा अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर ने कहा कि बीजेपी सरकार में निजीकरण तेज़ी से होने से दलितों-पिछड़ों के लिए नौकरी के अवसर कम हो रहे हैं। पंचायत में हाजी वफ़ाउर रहमान, ज़िला पंचायत सदस्य डॉक्टर ब्रह्म स्वरुप, चौधरी विजेंद्र सिंह, विधानसभा अध्यक्ष नासिर रज़ा खान, ख़ालिद बाबू, हाशिम अली, राजेश सागर, राजू मौर्य व सुखवीर सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

अपना दल (एस) ने बूथ स्तर तक पार्टी मजबूत करने की ठानी

बरेली, अमृत विचार : अपना दल (सोनेलाल) ने संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर आंवला विधानसभा क्षेत्र में विशेष संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जोन अध्यक्ष उदयवीर सागर ने की। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष एड . अनुज कुमार गंगवार ने कहा कि पार्टी किसी व्यक्ति विशेष की नहीं बल्कि पूरे समाज की है कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पंचायत चुनाव में अधिक से अधिक प्रत्याशियों को विजयी बनाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन विस्तार, मंडल, सेक्टर और बूथ स्तर पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों का निर्धारण करते हुए जनसंपर्क अभियान को तेज करने पर जोर दिया गया। बैठक में महेश कन्नौजिया,जिला महासचिव अजय गंगवार, अतुल पटेल, परितोष राजपूत, देवानंद पटेल, राम सहाय सागर, वीरपाल सागर, रूप सिंह, हरीश गौतम, सूरज, महिपाल, रिंकू, मोरपाल, प्रदीप सागर, संजू, रण विजय सागर, रिंकू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

तलाक के बाद पति व दोस्तों ने किया विवाहिता से दुष्कर्म का प्रयास

- एसपी करते रहे थाने का निरीक्षण, गिड़गिड़ाती रही पीड़िता को दरोगा ने थाने से भगाया

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : थाना हाफिजगंज क्षेत्र के ग्राम लाडपुर इस्लामनगर निवासी एक व्यक्ति पर अपनी तलाकशुदा पत्नी को जबरन बंधक बनाकर रखने, मारपीट करने और दुष्कर्म के प्रयास जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता जब अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए अधिकारियों से मिलने कोतवाली पहुंची तो उसे एसपी से मिले बिना ही थाने के एक दरोगा ने गेट से लौटा दिया।

पीड़िता के अनुसार, पति से तलाक के बाद भी पति जबरन उसे घर में रखता रहा। आरोप है कि पति ने दूसरी शादी भी कर ली है इसके बावजूद वह पीड़िता के साथ लगातार मारपीट करता रहा और जान से मारने की धमकी देता था।

पीड़िता का कहना है कि आरोपी शराब के नशे में असामाजिक तत्वों को घर बुलाता था और उस पर अनैतिक कार्य कराता है । आरोप है कि 2 दिन पूर्व भी उसने उसे जबरन पकड़कर अपने घर ले गया और अन्य लोगों के साथ दुष्कर्म करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बेरहमी से पिटाई की और जान से मारने का प्रयास किया। वह अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकली। गुरुवार को उसे जानकारी मिली कि एसपी नवाबगंज आए हुए हैं। तभी वह प्रार्थना पत्र लेकर कोतवाली पहुंच गई। जब वह थाने पहुंची तो एसपी थाने का निरीक्षण कर रहे थे। पीड़िता थाने में लगातार गुहार लगाती रही, लेकिन वहां मौजूद एक दरोगा ने उसकी एक नहीं सुनी और उसे एसपी से मिले बिना ही थाने से भगा दिया। पीड़िता का कहना है कि उसे लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है।

कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव का कहना है मामला जानकारी में नहीं है । शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी ।

दो लाख और कार नहीं मिली तो घर से निकाला आठ माह पहले हुई थी शादी, रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : कार और नकद दो लाख रुपए की मांग पूरी नहीं करने पर दहेज लोभी सुसराल वालों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया ।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। मोहल्ला अंसारी निवासी नियाजमीन ने बताया उनका निकाह पिछली वर्ष 17 जून को रामपुर की कोतवाली के गांव नवदिया निवासी इमरान से हुआ था। सुसराल वाले एक कार और दो लाख रुपए लाने का दबाव बना रहे थे। जब पीड़िता ने मना कर दिया। तब पति इमरान, ससुर शमशुद्दीन, सास जैनब, देवर अमन, ननद आसमा, शमा, नंदोई समीर मारपीट करके प्रताड़ित करने लगे और 4 जनवरी को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़ता की तहरीर पर पुलिस ने सातों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

50 हजार और बाइक न मिलने पर दिया तलाक विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

- पति, सास-ससुर समेत 5 ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज

भोजीपुरा, अमृत विचार : मायके से 50 हजार रुपये और बाइक न लाने पर पत्नी को तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। पति ने पत्नी को बहला-फुसलाकर पैसे भी छीन लिए और दोबारा घर से बेदखल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत 5 ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्राम पीपलसाना चौधरी निवासी एक विवाहिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह गांव के सलीम के साथ हुआ था। निकाह के बाद से ही पति सलीम, ससुर नसरुद्दीन, सास भूरी, जेठ तसलीम और भूरा उसे कम दहेज का ताना देते थे। वे लोग लगातार एक मोटरसाइकिल और कारोबार के लिए 50 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। करीब 8 महीने पहले ससुरालियों ने उसे बुरी तरह पीटा और 50 हजार रुपये लाने का दबाव बनाया। जब उसने पिता की गरीबी का हवाला देकर पैसे लाने में असमर्थता जताई, तो पति सलीम ने उसे तीन बार "तलाक-तलाक-तलाक" बोलकर घर से निकाल दिया। उसे केवल पहने हुए कपड़ों में ही घर से बाहर कर दिया गया। घर से निकाले जाने के बाद निशा ने दूसरों के घरों में काम करके किसी तरह 20 हजार रुपये जमा किए। जब पति को इसकी भनक लगी, तो वह उसे बहला-फुसलाकर वापस ले गया। लेकिन दो-तीन दिन बाद ही उसने उससे 20 हजार रुपये छीन लिए और मारपीट कर दोबारा घर से निकाल दिया। पुलिस ने ससुरालीजन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

न्यूज ब्रीफ

जहरीला पदार्थ खाकर दंपती ने दी जान, तीन बच्चे अस्पताल में भर्ती

नोएडा, एजेंसी : गौतमबुद्ध नगर के थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के सादुल्लापुर गांव में रहने वाले एक दंपती ने अपने तीन बच्चों समेत बुधवार रात को जहरीला पदार्थ खा लिया। इस घटना में दंपती की मौत हो गई जबकि तीनों बच्चों की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। तीनों बच्चे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उपचाराधीन हैं। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) संतोष कुमार ने बताया कि ग्राम सादुल्लापुर में रहने वाले श्रवण और उनकी पत्नी नीलम ने अपने तीन बच्चों कुमारी वैष्णवी (10), वैभव (8) व कुमारी लाडो (4) के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया।

प्रयागराज में यूपी बार काउंसिल का मतदान 30 से 2 फरवरी तक

विधि संवाददाता, प्रयागराज : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित हाईपावर इलेक्शन कमेटी की देखरेख में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश का निर्वाचन संपन्न कराया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रविरंजन (पूर्व मुख्य न्यायाधीश, झारखंड हाईकोर्ट) हैं, जबकि सदस्य न्यायमूर्ति एस.आर. मसूरी (पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद हाईकोर्ट) और न्यायमूर्ति रेखा पल्ली (पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली हाईकोर्ट) हैं। चुनाव उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति अरविंद कुमार त्रिपाठी (पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद हाईकोर्ट) और पर्यवेक्षक न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह (पूर्व न्यायाधीश, इलाहाबाद हाईकोर्ट) के पर्यवेक्षण में कराया जा रहा है। प्रयागराज स्थित बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश परिसर में चौथे व अंतिम चरण का मतदान चार दिन चलेगा। मतदान 30 जनवरी से 2 फरवरी 2026 तक होगा।

ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटकाकर दौड़ा दी जीप

नैनीताल हाईवे का वीडियो वायरल, आरोपी का किया चालान

संवाददाता, बिलासपुर

अमृत विचार : ई-रिक्शा और कार में टक्कर लगने के बाद कार चालक ने ई-रिक्शा चालक के मारपीट की। बाद में कार चालक ने उसे जीप के बोनट पर लटकाकर घुमाने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी जीप चालक को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई थी। बाद में उसका चालान कर दिया।

यह घटना बीते बुधवार को पटेल चौक के पास की है। वीडियो में जानकारी के अनुसार, हाईवे पर पहले जीप के चालक ने सामने से आ रहे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया और उसका चालक घायल हो गया। बाद

जीप पर ई-रिक्शा चालक को घुमाता चालक।

में जीप चालक ने बिना परवाह किए जीप को आगे बढ़ाते हुए ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटका लिया। जब लोगों ने शोर मचाया, तो जीप चालक ई-रिक्शा चालक को बोनट पर लटकाए-लटकाए गोल चक्कर में घुमाने लगा। वहां मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर जीप चालक रुका, तब जाकर घायल ई-रिक्शा चालक की जान बची। इस घटना को देख रहे कुछ लोगों ने उसे अपने मोबाइलों में कैद कर लिया और वायरल कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जीप चालक को साथ ले गई। गुरुवार को चौकी इंचार्ज योगेंद्र सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी जीप चालक नगर के मोहल्ला संत कॉलोनी निवासी मनप्रीत सिंह है। उसके खिलाफ शांति भंग की धाराओं में कार्रवाई की गई और एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया। उधर, राष्ट्रीय गरीब कल्याण संघ के अध्यक्ष प्रेम नरेश वाल्मीकि ने बताया कि घायल ई-रिक्शा चालक उनकी यूनियन से संपर्क करता है, तो संगठन उसकी हरसंभव मदद की जाएगी।

कनाडा के उत्तरी क्यूबेक में गोलीबारी, दो लोगों की मौत

मिस्टिसिनी, एजेंसी: कनाडा के उत्तरी क्यूबेक में मूल निवासियों के लिए आरक्षित क्षेत्र फर्स्ट नेशन रिजर्व में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। क्यूबेक प्रांतीय पुलिस के सार्जेंट ह्यूग्स बोलियू ने बताया कि बुधवार रात को हुई हत्याएं संगठित अपराध से जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं।

प्रांतीय पुलिस ने बताया कि मृतक करीब 30 वर्ष के पुरुष हैं। उसने बताया कि दोनों स्थानीय निवासी थे और उन्हें रात लगभग नौ बजे एक वाहन के अंदर गोली मारी गई। इससे पहले, मिस्टिसिनी के क्री नेशन इलाके के प्रशासन ने कहा था कि एक घातक गोलीबारी के बाद समुदाय के लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है और कई लोग हताहत हुए हैं। समुदाय के प्रमुख माइकल पेटावाबानो ने एक बयान में कहा कि लोगों की आवाजाही पर तब तक रोक लागू रहेगी, जब तक कानून प्रवर्तन एजेंसियां यह पुष्टि नहीं कर देतीं कि सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू करना सुरक्षित है।

ठंड की मजबूरी

वाराणसी के एक घाट पर गुरुवार की सुबह कड़ाके की ठंड में बच्चे और एक पिल्ला खुले में सोते हुए। • एजेंसी

वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र को खोलने का निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने वेनेजुएला की नेता डेल्सी रोड्रिगेज को सूचित कर दिया है कि वह वेनेजुएला के ऊपर सभी वाणिज्यिक हवाई क्षेत्र को फिर से खोलने जा रहे हैं और अमेरिकी जल्द ही वहां जा सकेंगे। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अमेरिका के परिवहन मंत्री शॉन डफी और सैन्य अधिकारियों को दिन के अंत तक हवाई क्षेत्र खोलने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, अमेरिकी नागरिक बहुत जल्द वेनेजुएला जा सकेंगे और वे वहां सुरक्षित रहेंगे।

उत्तराखंड में होम स्टे नियमावली-2026 हुई लागू

नैनीताल, अमृत विचार: उत्तराखंड में पर्यटन व्यवसाय को स्थानीय हितों के अनुरूप संतुलित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। कैबिनेट के निर्णय के बाद उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026 को लागू कर दिया गया है। नई नियमावली के तहत अब होम स्टे योजना का लाभ केवल राज्य के मूल एवं स्थायी निवासियों को ही मिलेगा। अन्य राज्यों के वे लोग, जिन्होंने ग्रामीण या अन्य क्षेत्रों में 250 वर्ग मीटर भूमि खरीदकर होम स्टे संचालित किए थे, अब इस योजना के अंतर्गत नहीं आएंगे।

बुजुर्ग पर तेंदुआ का हमला, निवाला बनाने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम नवदिया दुर्जनपुर का मामला

अमृत विचार : पूरनपुर तहसील क्षेत्र में खेत पर साइकिल से जा रहे बुजुर्ग किसान पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। हमले में बुजुर्ग किसान नीचे गिर पड़े। इस दौरान तेंदुआ ने किसान को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने का भरसक प्रयास भी किया। मगर बुजुर्ग किसान ने हिम्मत नहीं हारी और तेंदुआ से के चंगुल से खुद को छुड़ा लिया। हालांकि इस दौरान तेंदुआ ने किसान के एक हाथ को बुरी तरह चबा डाला। घायल किसान को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल किसान का इलाज किया जा रहा है।

घटना पूरनपुर तहसील क्षेत्र के थाना सेहरामऊ उत्तरी के गांव नवदिया दुर्जनपुर में गुरुवार को हुई। गांव निवासी 70 वर्षीय किसान विंदर सिंह सुबह करीब 10 बजे घर से साइकिल पर सवार होकर खेत देखने के लिए निकले थे। खेत गांव से करीब एक किमी की दूरी पर है। विंदर सिंह साइकिल पर सवार होकर खेत की ओर जा रहे थे कि इस बीच रास्ते में उन पर गन्ने के खेत से निकले तेंदुआ ने हमला कर दिया। तेंदुआ के हमले से विंदर सिंह साइकिल समेत नीचे गिर पड़े।

किसान के जमींन पर गिरते ही तेंदुआ उन पर हमलावर हो गया। तेंदुआ के चंगुल में फंसे किसान ने सहायता के लिए जोर-जोर से चीखना चिल्लाना शुरू कर दिया। बताते हैं कि उस दौरान आसपास खेतों में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद ही नहीं था। तेंदुआ ने किसान को गन्ने के खेत में खींचकर ले जाने का प्रयास करना शुरू कर दिया। बताते हैं कि इस बीच बुजुर्ग किसान ने हिम्मत बटोरते हुए हाथों से तेंदुआ को पीछे धकेलना शुरू कर दिया। दोनों के बीच कुछ देर तक खींचतान चलती रही। बुजुर्ग किसान द्वारा लगातार खुद को छुड़ाने का प्रयास चलता रहा और आखिरकार तेंदुआ किसान को छोड़कर चला गया। हालांकि इस दौरान तेंदुआ ने किसान के एक हाथ को बुरी तरह से चबा डाला।

घायल किसान ने किसी तरह घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। तेंदुआ के हमले की जानकारी लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आनन फानन में परिजन घायल बुर्जुग को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां चिकित्सकों द्वारा घायल किसान का इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में सामाजिक वानिकी प्रभाग पूरनपुर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सोवरन सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में जानकारी नहीं है। जो घटनास्थल बताया जा रहा है वह शाहजहांपुर प्रभाग की खुटार रेंज के अंतर्गत आता है।

भालू के पीछे दौड़ा बाघों का कुनबा

पीलीभीत, अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में गुरुवार सुबह सैलानी उस वक्त खासे रोमांचित दिखे, जब तीन बाघों का कुनबा एक भालू का पीछा करते हुए सफारी वाहनों के आगे से गुजर गया। हालांकि कुछ देर तक बाघों और भालू ने एक दूसरे के सामने मोर्चा भी लिया, मगर कुछ देर बाद ही अपने-अपने रास्ते चले गए। इस रोमांचक नजारे को कुछ सैलानियों ने अपने कैमरे में कैद भी किया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपने मजबूत कद-काठी को लेकर देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती पर भी मशहूर हैं। टाइगर साइटिंग के नाम पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व अन्य टाइगर रिजर्वों को पछाड़ता नजर आ रहा है। पिछले पर्यटन सत्र के दौरान आने वाले 90 फीसदी सैलानियों ने बाघों के दीदार किए थे।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

शंकराचार्य परंपरा के संत को रोके जाने का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रयागराज में माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या पर संगम स्नान के लिए जा रहे शंकराचार्य परंपरा के संत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके अनुयायियों को रोके जाने के कथित घटनाक्रम को लेकर पत्र याचिका दाखिल की गई है। याचिका में 18 जनवरी 2026 को हुई घटना की सीबीआई जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

अधिवक्ता गौरव द्विवेदी द्वारा दाखिल याचिका में आरोप है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जब अपने अनुयायियों के साथ संगम स्नान के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस ने उनकी पालकी को जबरन रोक दिया और उन्हें पैदल जाने के लिए मजबूर किया। इससे विवाद उत्पन्न हुआ, पालकी को नुकसान पहुंचा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 442/76सी0(ए0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दिनांकः 19.01.2026

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के कार्यक्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई–निविदा दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 19.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विशिष्टियाँ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संशोधित/परिशिष्ट शर्तें इत्यादि का भली–भाँति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक .19.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7
वित्तीय वर्ष 2025–26 जनपद पीलीभीत में रा0स0नि0 के अंतर्गत परेवा वैष्य से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 9.380 से 19.080) एवं मझोला रोड से ड्यूनीडाम मार्ग (चैनेज 8.100 से 9.00) (अ0जि0मा0) का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य।	1392.00	33.50	1425.50	28.60	2714.00	12 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेश चौधरी) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत

(के0 के0 सिंह) अधीक्षण अभियन्ता बदायूँ–पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP - 244784 दिनांक: 28/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

इमरान की आंखों का उपचार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले सप्ताह एक अस्पताल में आंखों की बीमारी से संबंधित चिकित्सकीय प्रक्रिया कराई थी और फिलहाल उनकी सेहत ठीक है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने दी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने मंगलवार को दावा किया कि उसके जेल में बंद संस्थापक एक गंभीर नेत्र रोग से पीड़ित हैं, जिसका अगर तुरंत इलाज नहीं किया गया तो उनकी आंखों की रोशनी को स्थायी तौर नुकसान हो सकता है। खान (73) को रावलपिंडी की अडियाला जेल से इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) ले जाया गया। वह अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद अडियाला जेल में सजा काट रहे हैं। जियो न्यूज ने बताया कि तरार ने चैनल के साथ एक विशेष बातचीत में कहा कि नेत्र विशेषज्ञों ने सबसे पहले खान की जांच अडियाला जेल में की और सलाह दी कि उन्हें उपचार के लिए पीआईएमएस में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मंत्री ने बताया कि चिकित्सकों की सलाह पर पूर्व प्रधानमंत्री को शनिवार रात अस्पताल ले जाया गया।

चेकिंग के दौरान एआरटीओ से की अभद्रता, 4 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, ओरछीं (बदायूं)

अमृत विचार : चेकिंग के दौरान एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन ने खनन की बालू भरे दो ट्रक रोके। उनके चालक भाग गए। एआरटीओ ट्रक थाने ले जाने लगे तो एक गाड़ी से उनका रास्ता रोककर अभद्रता की गई। एआरटीओ की तहरीर पर एक नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज और तीन वाहनों का चालान किया गया है। एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

एआरटीओ हरिओम ने फैजगंज बेहटा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार सुबह साढ़े 11 बजे वह फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव कोकेरा के पास प्रवर्तन का काम कर रहे थे। इसी दौरान कोकेरा मार्ग पर दो ट्रक यूपी 22 बीटी 2049 और

आरोपी नासिर।

यूपी 20 बीटी 2749 सड़क पर खड़े मिले। चेकिंग करने पर पता चला कि दोनों में बालू भरा हुआ है। एआरटीओ ने चालक से बिल्टी मांगी तो बिल्टी दे दी गई और दोनों ट्रक चालक दूसरी साइड की खिड़की से कूदकर जंगल की ओर भाग गये। वह दोनों वाहनों को थाने ले जाने लगे।

इसी दौरान गाड़ी नंबर यूपी 14 सीएन 9974 से आए लोगों ने एआरटीओ का रास्ता रोका। उनकी गाड़ी के आगे गाड़ी लगा दी। एआरटीओ की गाड़ी के चालक से बलपूर्वक यूपी 22 बीटी 2049 की चाबी छीनने लगे। कहा कि आप बदायूं के एआरटीओ नहीं हो। यह उनका कार्यक्षेत्र नहीं है। वहां चेकिंग नहीं कर सकते। उन्होंने एआरटीओ के साथ गाली-गलौज और अभद्रता शुरू कर दी। एआरटीओ ने असुरक्षित महसूस करते हुए डायल 112 पर फोन किया। पुलिस मौके पर पहुंची। एक युवक को पकड़ लिया जबकि उसके तीन साथी भाग गए। तीनों वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने एक नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, अधिकारी से अभद्रता करने, बल प्रयोग करने के आरोप मे रिपोर्ट दर्ज की है।

तस्करी रोकने को चीन-ब्रिटेन में होगा नया सीमा समझौता

लंदन, एजेंसी : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर चीन के साथ एक नए सीमा सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस समझौते का उद्देश्य तस्करी करने वाले गिरोहों द्वारा अवैध रूप से प्रवासियों को ब्रिटेन में लाने के लिए इस्तेमाल होने वाली और चीन में निर्मित छोटी नौकाओं के पुर्जों के प्रवाह को रोकना है। स्टार्मर ने कहा कि प्रवासियों से संबंधित संगठित अपराधों और तस्करी गिरोहों का व्यावसायिक मॉडल सीमाओं से परे है, तथा इन्हें रोकने के लिए हमारा दृष्टिकोण भी ऐसा ही होना चाहिए।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक /533सी0(ई–टेण्डर)–08/2025–26 दि0 /01/2026

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 30.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 11.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	गांव चौसरा मार्ग से सादिया लाडपुर के पास नहर के पास पुलिया तक नवनिर्माण कार्य।	64.00	4.80	68.80	5.44	रू0 2714.00	09 माह	ए0, बी0, सी0
2	गांव दौलतपुर हीरा से गांव मानपुर मरौरी तक नवनिर्माण कार्य।	80.00	6.00	86.00	6.30	रू0 2714.00	09 माह	ए0, बी0
3	गांव भीकमपुर उर्फ परानपुर मार्ग से परासी रामकिशन सम्पर्क का नवनिर्माण कार्य।	105.00	7.90	112.90	7.65	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी
4	गांव अरिवाड़ा से गांव दुवहा होते हुए शाहजहाँपुर की सीमा तक नवनिर्माण कार्य।	134.00	10.00	144.00	9.20	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
5	बी0डी0यू0एस0 मार्ग से मधुपुरी मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	128.00	9.50	137.50	8.88	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
6	गांव गोछ से कनाकोर सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	125.00	9.00	134.00	8.70	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
7	गांव गौनेरा से चांदडांडी मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	108.00	8.00	116.00	7.80	रू0 2714.00	12 माह	ए0, बी0
8	खानपुर बीरमपुर से गांव कढैला मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	236.00	5.90	241.90	14.10	रू0 2714.00	12 माह	ए0

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड–1, लोनिवि, पीलीभीत

(के0के0 सिंह) अधीक्षण अभियंता बदायूँ/पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

UP - 244793 दिनांक: 28/01/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर–खीरी

अल्पकालीन निविदा सूचना

वर्ष 2025-26 हेतु व्यापारकर में पंजीकृत अनुभवी आपूर्तिकर्ताओं से निम्नांकित सामानों के आपूर्ति हेतु सम्मुख अंकित तिथि को अपरान्ह 3:00 बजे तक मुहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्रमांक	विवरण	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा तिथि
01	Supply of DC Machine Spares/Automation Spaces	5000.00	05.02.2026

निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में रू0 590/- (जीएसटी सहित) मिल कोषागार में जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। प्राप्त निविदायें निर्धारित तिथि को अपरान्ह 3:30 बजे खोली जायेगी। यदि आवश्यक हुआ तो नेगोशिएसन भी किया जा सकता है।

अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा। प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय नगर निगम, शाहजहांपुर

NOTICE FOR INVITATION OF TENDER

पत्रांक: 692/PRO/नि.वि./न.नि.शाह./2025-26 दिनांक: 29.01.2026

ई-निविदा सूचना

नगर निगम, शाहजहांपुर द्वारा 15वां वित्त आयोग अन्तर्गत 01 निर्माण कार्यो की द्वितीय बार अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा प्रणाली की समस्त कार्यवाही वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर की जायेगी। कार्य की समस्त नियत व शर्ते वेबसाइट पर उपलब्ध है जिनका अवलोकन करने उपरान्त ही निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। बिना कारण बताये टेण्डर को स्वीकृत / अस्वीकृत / निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी में निहित होगा। उक्त निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना वेबसाइट पर अपलोड कर जायेगी।

ई–निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	02.02.2026 - 03:00 PM
ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	02.02.2026 - 04:00 PM
ई–निविदा अपलोड की अंतिम तिथि/समय	07.02.2026 - 03:00 PM
ई–निविदा खोली जाने की तिथि/समय	07.02.2026 - 04:00 PM
फाईनेंशियल ई–निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

ई–निविदा लिंक एवं ई–पोर्टल www.etender.up.nic.in पर किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। नगर आयुक्त नगर निगम, शाहजहांपुर

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0: 1 ई–प्रापण निविदा संख्या: उप मु0इं0–नि0–पुल–जीकेपी–01–2026 दिनांक: 24.02.2026 कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन में सहजनवा–दोहरीघाट नई लाइन परियोजना के अन्तर्गत सहजनवा–दोहरीघाट के बीच सहजनवा, मगहर, जगतबेला, पिपरौली, खजनी, उनवल, बैदौली बाबू हाल्ट और बांसगांव में स्टेशन बिल्डिंग, स्टाफ क्वार्टर ओवर हेड टैंक, प्लेटफॉर्म, सबवे टो वॉल, रिटेनिंग वॉल, पी0पी0 शेल्टर का निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया का डेवलपमेंट और सड़क का कार्य। **अनुमानित निविदा मुल्य :** 152,17,40,938.78/– **बयाना राशि (रु0) :** 77,58,700.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0):** शून्य **कार्य पुर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह माह) • बिड प्रारम्भ करने की तिथि : दिनांक 10.02.2026 • उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अंतिम तिथिः दिनांक 24.02.2026 15:00 बजे तक। • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथिः दिनांक 24.02.2026 15.00 बजे। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगे।

उप मुख्य इंजी./निर्माण/सामान्य, गोरखपुर

मुजाघि/डब्लू–439

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

महक-परी को लेकर अब युवाओं में हो रहा टकराव

कार्यालय संवाददाता, संभल

- सहयोगी ने जान का खतरा बताकर पुलिस से की शिकायत

अमृत विचार : संभल की यूट्यूबर महक-परी को लेकर फिर विवाद सामने आया है। महक-परी और उनके सहयोगी युवक द्वारा बनाए गए वीडियो के बाद युवाओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। युवक ने पुलिस को तहरीर दे अपनी जान को खतरा बताया है।

सलमान।

बताया जा रहा है कि महक-परी ने सहयोगी सलमान उर्फ सल्लू कुरैशी के साथ वीडियो बनाया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा कि संभल में कुरैशियों में सबसे ज्यादा पैसा सलमान के पास है। इसके बाद मोहल्ला नाला निवासी सलमान नाम के अन्य युवक ने वीडियो जारी किया, जिसमें अपशब्दों का प्रयोग कर महक-परी और उनके सहयोगी पर कटाक्ष किया। इसके बाद सलमान उर्फ सल्लू ने समीर, सलमान और सुहैब निवासी गांव मंडी किशनदास सराय पर गाली-गलौज और छुरे से हत्या करने की धमकी जैसे आरोप लगाए। मामले में संभल कोतवाली इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह और थाना हयातनगर प्रभारी उमेश सोलंकी ने शिकायत मिलने से इंकार किया है।

यूट्यूबर महक-परी।

न्यूज ब्रीफ

मुंगेर में अवैध बंदूक फैक्ट्री का भंडाफोड़

मुंगेर। बिहार में मुंगेर जिले के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के घोसी टोला मोहल्ले में पुलिस ने अवैध बंदूक कारखाना का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने बताया कि एक घर में संचालित अवैध बंदूक कारखाना का भंडाफोड़ किया। इस दौरान मकान मालिक पंकज कुमार और बंदूक कारखाना में काम करने वाले कारीगर जितेंद्र कुमार पंडित को गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से एक बेस मशीन, दो अर्द्ध निर्मित देसी पिस्तौल और 35 अर्द्ध निर्मित मैगजीन व शस्त्र निर्माण सामग्री बरामद की गई।

ओडिशा में स्थापित होंगे ड्रोन परीक्षण केंद्र

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने गुरुवार को कहा कि राज्य के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) और एक ड्रोन प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मयूरभंज जिले के दांडबोस हवाई अड्डे पर एफटीओ की स्थापना की जाएगी, जो प्रतिवर्ष 50 वाणिज्यिक पायलटों को प्रशिक्षित करेगा तथा इस क्षेत्र में नए कैरियर के अवसर खोलेगा। माझी ने कहा कि ओडिशा का पहला ड्रोन प्रशिक्षण और परीक्षण केंद्र गंजम जिले के रंगेलुंडा हवाई पट्टी पर स्थापित किया जाएगा।

जांच में सहायता के लिए करें एआई का इस्तेमाल

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने गुरुवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल जांच में तेजी लाने के एक साधन के तौर पर किया जाना चाहिए न कि मानवीय निर्णय के विकल्प के रूप में। सीबीआई प्रमुख ने एजेंसी में शामिल होने वाले 134 उप निरीक्षकों की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए कहा कि वे आजीवन सीखने की मानसिकता अपनाएं।

दिल्ली सहित 4 हवाई अड्डों को पुरस्कार

हैदराबाद। विंग्स इंडिया 2026 पुरस्कारों में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा घोषित किया गया, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को 25 मिलियन से अधिक वार्षिक यात्रियों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा घोषित किया गया, पुणे और लखनऊ हवाई अड्डे को भी सम्मानित किया गया।

बुलेट ट्रेन के लिए स्टील ब्रिज निर्माण कार्य पूरा

अहमदाबाद, एजेंसी

- 100 मीटर लंबा है अहमदाबाद में बनाया गया यह ब्रिज

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात के अहमदाबाद में 100 मीटर लम्बे मेक इन इंडिया स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से गुरुवार दी जानकारी के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अहमदाबाद जिले में भूमिगत मेट्रो टनल के ऊपर 100 मीटर लम्बे स्टील ब्रिज का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह राज्य में परियोजना के लिए नियोजित कुल 17 स्टील ब्रिज में से गुजरात में पूरा हुआ 13वां स्टील ब्रिज है। अहमदाबाद जिले में बुलेट ट्रेन वायाडक्ट 30 से 50 मीटर तक के स्पैन- बाय -स्पैन संरचनाओं का उपयोग करके बनाया जा रहा है। हालाँकि, इस स्थान पर, मार्ग कालूपुर और शाहपुर मेट्रो स्टेशन के बीच जुड़ने वाली भूमिगत मेट्रो टनल के ऊपर से गुजरता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बुलेट ट्रेन संरचना से कोई भार मेट्रो सुरंग पर स्थानांतरित न हो, नींव को इससे काफी दूर रखा गया।

ठेकेदारों से गोशालाएं बनाने को कह सकता है एनएचएआई

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु द्वारा निर्देशों का अनुपालन न करने पर जताया असंतोष

उच्चतम न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को गुरुवार को कहा कि वह सड़क निर्माण में शामिल ठेकेदारों से राजमार्गों पर आने वाले आवारा पशुओं की देखभाल के लिए कंपनियों के सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत गौशाला बनाने पर विचार करने को कहे।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और बधियाकरण संबंधी शीर्ष न्यायालय के सात नवंबर के आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायायल ने हालांकि पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु द्वारा उसके निर्देशों के अनुपालन को लेकर असंतोष व्यक्त किया। न्यायालय ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा प्रतिदिन 100 आवारा कुत्तों का बधियाकरण करने के प्रयास अपर्याप्त हैं और यह ऊंट के मुंह में जीरे की तरह है।

पीठ ने एनएचएआई की ओर से पेश अधिवक्ता से एक एप विकसित करने को भी कहा, जहां लोग राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा जानवरों को देखे जाने की सूचना दे सकें। न्यायालय ने अधिवक्ता से कहा, आप ठेकेदारों से यह भी कह सकते हैं कि वे लगभग 50 किलोमीटर के बाद एक गौशाला स्थापित करें जहां कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत इन आवारा जानवरों की देखभाल की जा सके। अधिवक्ता ने एप विकसित करने और ठेकेदारों से गोशालाएं स्थापित करने के लिए कहने की संभावना पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। एनएचएआई के अधिवक्ता ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर 1300 से अधिक संवेदनशील स्थान हैं और प्राधिकरण सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए इनसे निपट रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश राज्यों ने राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन महाराष्ट्र, झारखंड, राजस्थान जैसे कुछ राज्य अब भी इस समस्या के समाधान के लिए आगे नहीं आए हैं। राजस्थान की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने न्यायालय के पूर्व निर्देशों के अनुपालन के बारे में पीठ को बताया कि राज्य में बधियाकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं और शैक्षणिक संस्थानों के क्षेत्रों की बाड़बंदी की गई है। पीठ ने इसपर रेखांकित किया कि राज्य सरकार के हलफनामे के अनुसार आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए केवल 45 वैन हैं और यह अपर्याप्त है।

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

तार्किक विसंगति सूची में शामिल नाम प्रदर्शित करे निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच निर्वाचन आयोग को गुरुवार को उन लोगों के नाम ग्राम पंचायत भवनों और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया, जिन्हें तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल किया गया है। बिहार में मतदाता सूचियों की एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस अभ्यास का दूसरा चरण नौ राज्यों- छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल तथा तीन केंद्र-शासित प्रदेशों-अंडमान एवं निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में संचालित किया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया।

एसआईआरः भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार की अंत्येष्टि

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ हुअस अजित पवार का अंतिम संस्कार।

बारामती, एजेंसी

- शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

पिछले एक साल में देश में 2.22 करोड़ लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने देशभर में आयोजित किया 18 हजार रोजगार मेले

सरकार ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी।

पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने बताया कि रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने एकीकृत मंच के रूप में राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल की स्थापना की है। मांडविया ने कहा, पिछले एक वर्ष में देशभर में 18,000 रोजगार मेले आयोजित किए गए और इस अवधि में कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सभी राज्य सरकारों के रोजगार मंच भी इस पोर्टल से जोड़े गए हैं। पिछले 10 वर्षों में रोजगार तलाशने वाले छह करोड़ से अधिक युवाओं ने इस पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा, एनसीएस पोर्टल को ई-माइग्रेट पोर्टल, युवा-भारत और कौशल विकास मंचों से जोड़ा गया है, ताकि रोजगार के लिए एकल खिड़की व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। मंत्री के अनुसार, बिहार में एनसीएस पोर्टल पर 53 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 39.8 लाख को चुन कर उनके लिए रोजगार के अवसर सृजित किए गए। उन्होंने बताया कि कुल 4.5 लाख युवाओं ने रोजगार मेलों में भाग लिया, जिनमें से 90,000 को चुना गया और केंद्र व राज्य स्तर की कंपनियों ने 43,000 लोगों को रोजगार दिया। अपने लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि रोजगार मेला युवाओं के लिए रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य सरकारों, मंत्रालयों और विभागों द्वारा नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य नियोक्ताओं और बेरोजगारों के बीच संपर्क स्थापित करना है।

पंजाब में मादक पदार्थ और आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने विलेज डिफेंस कमेटी (वीडीसी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सहयोग से राज्य में दो अलग-अलग स्थलों से 45 किलोग्राम हेरोइन और भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद करने में सफलता हासिल की है।

डीजीपी गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने विलेज डिफेंस कमेटी के सहयोग से लगभग 215 करोड़ रुपये की 42.9 किलोग्राम हेरोइन, चार हैंड ग्रेनेड और एक स्टार-मार्क पिस्तौल सहित 46 कारतूस बरामद करके सरहद पार से मादक पदार्थ-आतंकवाद नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। हेरोइन की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 225 करोड़ रुपये आंकी गई है। ऑपरेशन वीडीसीज़-पंजाब सरकार की प्रमुख पहलकदमी जिसका उद्देश्य आंतरिक सुरक्षा और नशा विरोधी प्रयासों में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करना है।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, फोन कर सुनाई चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं। दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। संसद मार्ग थाने में तैनात कांस्टेबल निखिल ने बताया कि अंकुर ने मुझे फोन किया था।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए। जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने पर आक्रोश जताते हुए कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान है।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

एसआईटी ने पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव को दी नोटिस

हैदराबाद, एजेंसी

- फोन टैपिंग मामले की जांच कर रहा विशेष जांच दल

तेलंगाना में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के कार्यकाल में फोन टैपिंग के आरोपों की जांच कर रहे राज्य पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 30 जनवरी को पूछताछ के लिए पेश होने के वास्ते गुरुवार को बीआरएस प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी किया। हालांकि, राव ने अनुरोध किया कि उनके पूछताछ के लिए पेश होने के वास्ते नई तिथि निर्धारित की जाए। राव को केसीआर नाम से भी जाना जाता है और उन्होंने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे।

एसआईटी ने राव से 30 जनवरी को दोपहर तीन बजे यहां उसके समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। नोटिस में एसआईटी ने कहा है कि चूंकि, केसीआर की उम्र 65 साल से अधिक है, इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-160 के तहत वह या तो जुबली हिल्स पुलिस थाने में जांचकर्ताओं के समक्ष पेश हो सकते हैं या हैदराबाद में अपने लिए किसी सुविधाजनक स्थान की जानकारी दे सकते हैं, जहां उनसे पूछताछ की जा सके। केसीआर से यह भी अनुरोध किया गया कि वह पूछताछ के लिए अपनी पसंदीदा जगह की जानकारी समय से पहले दे दें। बीआरएस प्रमुख ने जांच अधिकारी को बताया कि वह निकाय चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया में व्यस्त हैं।

दिल्ली में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को सुबह कई स्कूलों को बम से उड़ाने की ईमेल के जरिये मिली धमकियां जांच के बाद झूठी घोषित कर दी गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, इन धमकियों के बारे में उन्हें सुबह करीब 8.30 बजे सूचना मिली जिसके बाद कई सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं और परिसरों की व्यापक तलाशी ली गई। डीएफएस ने पुष्टि की कि दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित लॉरेटो कॉन्वेंट, चित्तरंजन पार्क के डॉन बोस्को तथा आनंद निकेतन और द्वारका स्थित कार्मल कॉन्वेंट स्कूल परिसरों को धमकियां मिली थीं। लोधी एस्टेट स्थित सरदार पटेल विद्यालय, दिल्ली पब्लिक स्कूल, बाराखंबा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल और चाणक्यपुरी स्थित संस्कृति स्कूल के नाम भी इसमें जोड़े।

बीटिंग रिट्रीट | ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वंदे मातरम की भावना का मनाया जश्न

विजय चौक पर पर संगीत के जरिए दिखी सेना के शौर्य की झलक

नई दिल्ली, एजेंसी

मार्च पास्ट की सलामी लेतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ● एजेंसी

बीटिंग रिट्रीट समारोह गुरुवार को सैन्य वीरता, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और वंदे मातरम की शाश्वत भावना का जश्न संगीत के माध्यम से व्यक्त करने के साथ संपन्न हुआ। इसी के साथ इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह का औपचारिक पटाक्षेप हो गया। विजय चौक पर आयोजित समारोह का मुख्य विषय वंदे मातरम की 150 वर्षगांठ थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की, जो बिगुल की ध्वनि के साथ एक पारंपरिक बग्गी में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं। भारतीय वायु सेना, नौसेना, सेना और अर्धसैनिक बलों के बैंड ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कदम कदम बढ़ाए जा, विजय भारत, बहादुर योद्धा, झेलम, जय हो, वीर सिपाही और वंदे मातरम सहित कई मनमोहक धुनें बजाईं।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस)जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी, जिन पर समारोह की वास्तविक समय में तस्वीरें प्रसारित की जा रही थीं। इन स्क्रीन पर ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष, गगनयान मिशन और ''अमर जवान ज्योति'' के प्रतीकात्मक चित्र भी प्रदर्शित किए जा रहे थे। कई बैंड के सदस्य मधुर धुनें बजाते हुए विभिन्न संरचनाओं में खड़े थे, जो देश की प्रमुख घटनाओं और उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, जैसे कि ''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष, प्रतिष्ठित सैन्य स्थल, देश के सदा सतर्क सैनिक और पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ शक्तिशाली हथियार। इन आकृतियों में गगनयान (अंतरिक्ष उड़ान मिशन), ऑपरेशन सिंदूर, तीनों सेनाओं का लोगो और नवगठित भैरव बटालियन का प्रतीक चिह्न शामिल थे। भैरव बटालियन ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भाग लिया। इस दौरान पिछले साल आईसीसी वनडे विश्व कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत का अभिनंदन भी किया गया।

प्रधानमंत्री ने की प्रस्तुतिकर्ताओं की प्रशंसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीटिंग रिट्रीट समारोह के प्रस्तुतिकर्ताओं की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बीटिंग रिट्रीट 2026 में आर्मी मिलिट्री बैंड द्वारा प्रस्तुत धुनें उत्कृष्ट थीं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, वंदे मातरम के 150 वर्ष, भारत की नारी शक्ति को क्रिकेट में मिली सफलता, साथ ही अश्विनी ड्रोन, भैरव बटालियन और प्राचीन ' 'गरुड़ व्यूह' ' युद्ध संरचना को सम्मान देने वाली प्रस्तुतियां भी उतनी ही शानदार थीं। मोदी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके द्वारा तैयार की गई विविध प्रस्तुति ऊर्जा से भरपूर थीं और गर्व की भावना को दर्शाती हैं।

अमृत विचार
शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–रवींद्रनाथ टैगोर, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवन: लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

> आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आमने सामने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–नरेश बंसल
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुरने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

> ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

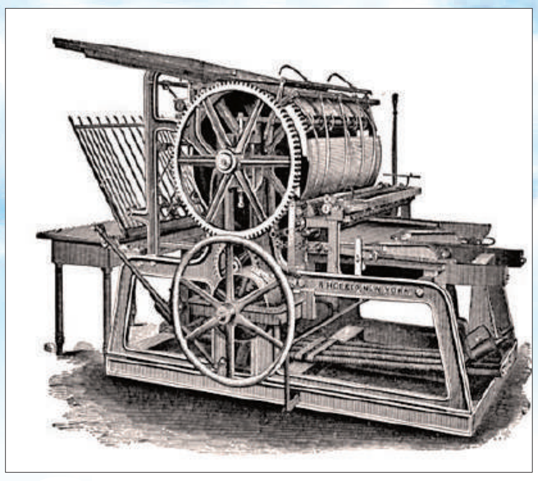

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

स्फीयरः रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्यः अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तखः पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यतः मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

आर्द्रभूमिः विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आपः प्राणाः'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000–23000, धनिया 9400–12000, अजवाइन 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, **प्रति कि.** : लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किशमिश पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल प्रति कु. : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150, लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450, मलका दाल 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9800, अरहर कोरा मोटा 10100, अरहर पटका छोटा 11500–12000, अरहर कोरी छोटी 13200

चीनी : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4220

एयरटेल ग्राहकों को मुफ्त एडोब एक्सप्रेस सेवा

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने 36 करोड़ ग्राहकों को एडोब एक्सप्रेस प्रीमियम की मुफ्त पहुंच देने की जानकारी दी है। इससे ग्राहक उच्च गुणवत्ता की सोशल मीडिया सामग्री, विपणन सामग्री, लघु वीडियो और अन्य सामग्री डिजाइन कर सकेंगे। यह कदम तब उठाया गया है जब एआई संचालित डिजाइन उपकरण लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को अब और नहीं टाल सकते

बजट सत्रः आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

मुफ्त रेवड़ी : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

सिफारिश: गोपनीय रिपोर्टों को बचाने के लिए आरटीआई कानून में हो बदलाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में लगभग दो दशक पुराने आरटीआई कानून का फिर अध्ययन करने की वकालत की गई है ताकि गोपनीय रिपोर्ट और मसौदों को सार्वजनिक किए जाने से छूट प्राप्त हो। यह भी कहा गया कि सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 का मकसद कभी इसे व्यर्थ की जिज्ञासा का उपकरण बनाने का नहीं था, न ही बाहर से सरकार के प्रबंधन का प्रयास करना था। आरटीआई अधिनियम को वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप करने, नई सीखों को आत्मसात करने और इसे इसके मूल इरादे से मजबूती से जोड़े रखने के लिए इसके फिर से अध्ययन की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए कानून में कुछ संभावित बदलाव किए जा सकते हैं।

- आर्थिक समीक्षा के अनुसार, स्वीडन ने 1766 में दुनिया का पहला सूचना की स्वतंत्रता कानून लाकर इसकी शुरुआत की। अमेरिका ने 1966 में ऐसा कानून लागू किया और ब्रिटेन ने 2000 में इसे अपनाया। दिलचस्प बात यह है कि ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने बाद में माना कि उन्हें इसे लागू करने का पछतावा है, क्योंकि इससे शासन में व्यवधान पैदा हुआ।

जीएसटी सुधारों के अगले चरण में ई-वे बिल प्रणाली का पुनर्गठन हो

नई दिल्ली। जीएसटी सुधारों की अगली कड़ी में ई-वे बिल प्रणाली को केवल प्रवर्तन और नियंत्रण के माध्यम के बजाय सुगम लॉजिस्टिक सहायक के रूप में फिर तैयार किया जा सकता है। आर्थिक समीक्षा में ई-सील्स और इलेक्ट्रॉनिक लॉकिंग प्रणाली के व्यापक उपयोग का सुझाव दिया गया है। इन्हें ई-वे बिल और वाहन निगरानी तकनीकों के साथ जोड़ा जा सकता है। इससे सड़क पर नियमित रोकटोक बिना माल की सुरक्षित और शुरू से अंत तक निगरानी की जा सकेगी।

गिग वर्कर्स की न्यूनतम मजदूरी के लिए नीतिगत हस्तक्षेप जरूरी

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा के मुताबिक देश में करीब 40 प्रतिशत अस्थायी (गिग) कर्मचारी प्रति माह 15,000 रुपये से कम कमाते हैं। समीक्षा में इसमें महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप का आह्वान किया गया है। उचित मजदूरी सुनिश्चित करने और नियमित एवं अस्थाई (गिग) रोजगार के बीच लागत असमानता को कम करने के लिए प्रतीक्षा समय के मुआवजे सहित न्यूनतम प्रति घंटा या प्रति कार्य आय निर्धारित करने का सुझाव दिया गया है।

सरकारी कंपनी की परिभाषा बदलें, निजीकरण के लिए ओएफएस लाएं

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में एक क्रांतिकारी बदलाव की सिफारिश की गई है। इसके अनुसार सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी की परिभाषा में संशोधन करने पर विचार करना चाहिए और न्यूनतम हिस्सेदारी की सीमा को मौजूदा 51 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत कर देना चाहिए। कहा गया है कि 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भी प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सकता है। आमतौर पर इतनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण फैसलों को प्रभावित करने के लिए विशेष प्रस्ताव अधिकार देती है। कहा गया कि जिन सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) का निजीकरण किया जाना है, उनके लिए सरकारी कंपनी की कानूनी परिभाषा को बदले बिना भी हिस्सेदारी को 51 प्रतिशत से नीचे लाने और पूर्ण निकास की दिशा में चरणबद्ध तरीके से बढ़ा जा सकता है। इसके लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाने का सुझाव दिया गया।

रुपये के गिरने से मजबूत आर्थिक बुनियाद का अंदाजा नहीं लगता

नई दिल्ली। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 92 के स्तर तक फिसल चुका रुपया भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद को प्रतिबिंबित नहीं करता। आर्थिक समीक्षा में कहा गया, रुपया अपनी वास्तविक क्षमता से कम प्रदर्शन कर रहा है। जब महंगाई नियंत्रण में है और आर्थिक वृद्धि का परिदृश्य अनुकूल है, भारत में निवेश के लिए निवेशकों की हिचकिचाहट की समीक्षा की जरूरत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन के नेतृत्व में तैयार किए गए इस दस्तावेज में कहा गया है कि निश्चित रूप से मौजूदा परिस्थितियों में कमजोर रुपया पूरी तरह नुकसानदायक नहीं है, क्योंकि यह भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क में वृद्धि के प्रभाव को कुछ हद तक कम करता है और फिलहाल महंगे कच्चे तेल के आयात से महंगाई बढ़ने का कोई खतरा नहीं है। हालांकि, यह निवेशकों को ठहरकर सोचने पर जरूर मजबूर करता है।

समीक्षा की मुख्य बातें

- केंद्र सरकार की राजस्व प्राप्तियां वित्त वर्ष 2024-25 (अस्थायी) में बढ़कर जीडीपी के 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गईं।
- सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्तियां सितंबर 2025 में घटकर 2.2 % पर आ गईं, जो कई दशक का निचला स्तर है।
- प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत मार्च, 2025 तक 55.02 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 36.63 करोड़ ग्रामीण व अर्धशहरी क्षेत्रों में हैं।
- वित्त वर्ष 2025-26 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान 2.35 करोड़ डीमैट खाते जोड़े गए, जिससे इनकी कुल संख्या 21.6 करोड़ से अधिक हो गई।
- सितंबर, 2025 में विशिष्ट निवेशकों की संख्या 12 करोड़ के पार पहुंच गई जिनमें लगभग 25 प्रतिशत महिलाएं हैं।
- भारत की वैश्विक वस्तु निर्यात में हिस्सेदारी 2005 से 2024 के बीच एक प्रतिशत से करीब दोगुनी होकर 1.8 प्रतिशत हो गई।
- सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 13.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 387.6 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।
- भारत दुनिया में धन प्रेषण प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा देश बना हुआ है, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में यह प्रवाह बढ़कर 135.4 अरब डॉलर हो गया।
- वर्ष 2024-25 में खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 35.77 करोड़ टन होने का अनुमान है जो पिछले वर्ष की तुलना में 254.3 लाख टन अधिक है।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत शुरुआत से अब तक 4.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि पात्र किसानों को जारी की जा चुकी है।
- वित्त वर्ष 2025-26 की पहली और दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र का जीवीए क्रमशः 7.72 प्रतिशत और 9.13 प्रतिशत बढ़ा, जो संरचनात्मक सुधार को दर्शाता है।
- भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत करीब 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 10 परियोजनाओं से घरेलू क्षमता मजबूत हुई है।
- भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है, जहां हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से बढ़कर 2025 में 164 हो गई।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच जीडीपी वृद्धि अनुमान यथार्थवादी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सीआईआई ने आकलन से सहमति जताई, एसोचैम ने कहा- सरकार स्थिरता बनाए रखने में कामयाब**

भारतीय कंपनियों ने कहा कि आर्थिक समीक्षा में विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप मध्यावधि के सुधार और वृद्धि एजेंडा स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अगले वित्तीय वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का अनुमान यथार्थपूर्ण प्रतीत होता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्वानुमान चालू वित्तीय वर्ष के 7.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है, जो उपभोग और निवेश से प्रेरित है।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि यह आर्थिक समीक्षा एक महत्वपूर्ण मोड़ पर भारत की व्यापक आर्थिक स्थितियों का व्यावहारिक, पेशेवर और सुव्यवस्थित आकलन प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि व्यापक आंकड़ों के आधार पर यह समीक्षा एक स्पष्ट मध्यम अवधि का सुधार और वृद्धि एजेंडा निर्धारित करती है जो विकसित भारत की परिकल्पना के अनुरूप है। बनर्जी ने कहा कि सीआईआई आर्थिक समीक्षा में भारत की वृद्धि संभावनाओं के आकलन से सहमत है। वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 से 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान वैश्विक अनिश्चितताओं और बाहरी चुनौतियों के बीच वास्तविक और सही लगता है।

उन्होंने कहा कि अगर महंगाई मध्यम स्तर पर बनी रहती है, तो देश को दो अंकीय नाममात्र वृद्धि देखने को मिल सकती है। इससे सरकार की आय बढ़ेगी और उधारी पर दबाव कम होगा और इससे वास्तविक ब्याज दरों पर भी असर पड़ेगा। एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल ने कहा कि जहां देश की अर्थव्यवस्था में स्थिरता और सरकार के निवेश ने मजबूत आधार तैयार किया है, वहीं भारत की वृद्धि क्षमता को पूरी तरह से आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रियाओं में सुधार और नियमों को सरल बनाना जरूरी है। इससे व्यवसाय करने की लागत कम होगी और व्यापार को आसान बनाया जा सकेगा

रिलायंस एमईटी सिटी (मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप लिमिटेड) के सीईओ श्रीवल्लभ गोयल ने कहा कि आर्थिक समीक्षा शहरों को केवल जनसंख्या केंद्रों के बजाय आर्थिक बुनियादी ढांचे के रूप में सही ढंग से पुनर्परिभाषित करती है। उन्होंने कहा, भारत की वृद्धि का अगला चरण इस बात पर निर्भर करेगा कि हम विनिर्माण, रसद, कौशल और शहरी जीवन को एक ही परिवेश में कितने प्रभावी ढंग से एकीकृत करते हैं। यहीं पर रिलायंस एमईटी सिटी जैसे एकीकृत औद्योगिक शहरी मंच प्रासंगिक हो जाते हैं। भविष्य केवल सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन, निर्यात और रोजगार को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने पर केंद्रित होगा।

विमानों के बीच

हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर चल रहे तीन दिवसीय विंग्स इंडिया 2026 के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी लोगों का जमावड़ा लगा। लोगों ने यहां प्रदर्शित विमानों और उपकरणों के साथ सेल्फी ली।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई, एजेंसी

टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

पाकिस्तान को अपने निर्यात पर असर पड़ने का डर, ईयू से साधा संपर्क

इस्लामाबाद, एजेंसी

- **भारत और यूरोपीय संघ के समझौते से पड़ोसी देश चिंतित**

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के कारण पाकिस्तान को अपने निर्यात पर नकारात्मक असर पड़ने का डर है। पाकिस्तान विदेश विभाग के मुताबिक इससे निपटने के लिए पाकिस्तान सरकार लगातार यूरोपीय अधिकारियों से संपर्क में है।

पाकिस्तानी विदेश विभाग के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि वह भारत और यूरोपीय संघ के समझौते और उसके विवरण से अच्छी तरह अवगत हैं। पाकिस्तान के व्यापारी समुदाय में यह चिंता जताई जा रही है कि यह समझौता पाकिस्तान के निर्यात को प्रभावित कर सकता है, खासकर यूरोपीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के मामले में। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को इस समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की। इस समझौते को इसी साल हस्ताक्षरित और लागू किया जाएगा। इस समझौते के तहत भारत को यूरोपीय बाजार में शुल्क रहित प्रवेश मिलता है, जो उसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति मजबूत कर सकता है।

अंद्राबी ने कहा है कि पाकिस्तान यूरोपीय संघ के साथ लंबे समय से मित्रता और सहयोग को बनाए रखने के लिए प्रयास कर रहा है। इसके लिए दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और अन्य हितों पर बातचीत और सहयोग जारी रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान यूरोपीय बाजार में अपने लाभ और निर्यात को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

सेल को तीसरी बार ग्रेट प्लेस टू वर्क प्रमाणन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) को लगातार तीसरे साल 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' (काम करने के लिए बेहतरीन जगह) का प्रमाणन प्राप्त हुआ है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस्पात निर्माता ने एक बयान में बताया कि नवीनतम प्रमाणन फरवरी 2026 से फरवरी 2027 की अवधि के लिए दिया गया है। सेल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अमरेंदु प्रकाश ने इस उपलब्धि पर कहा, यह मान्यता हमारे कर्मचारियों द्वारा संगठन में जताए गए भरोसे और उस कार्य संस्कृति का प्रतिबिंब है, जिसे हम सामूहिक रूप से बना रहे हैं।

केरल सरकार ने चुनाव से पहले पेश किया लोकलुभावन बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **पेंशनभोगियों के लिए 14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया**

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा की गई है। बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है।

देश में ही 19 सीटर विमान बनाएगा शक्ति समूह

हैदराबाद। शक्ति समूह की कंपनी शक्ति एविएशन एंड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एसडीएसपीएल) ने देश में 19 सीटर एल 410 एनजी विमानों के निर्माण के लिए गुरुवार को चेक गणराज्य के ओमनीपोल समूह के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

एल 410 एनजी टर्बाइन इंजन वाला विमान है जिसका निर्माण ओमनीपोल समूह की सदस्य कंपनी चेक मैन्युफेक्चरर एयरक्राफ्ट करती है। इन विमानों का इस्तेमाल छोटे और मझोले शहरों को जोड़ने के लिए हो सकता है। दोनों कंपनियां भारत में अंतिम असेम्बली लाइन लगाने के लिए विस्तृत विवरण पर विचार-विमर्श करेंगी।

ताजा आंकड़े | ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार पहुंचे

बेंगलुरु, एजेंसी

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

- **विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार**

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैंड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

केंद्रीय बजट

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स ,कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं ।

भारत से पशु उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध

मॉस्को। किर्गिस्तान ने निपाह वायरस के खतरे के मद्देनजर भारत से जानवरों और पशु उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक और दूसरे सबसे बड़े शहर ओश के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्रियों की जांच भी कड़ी कर दी गई है। भारत में फैल रहे निपाह वायरस को देखते हुए यह उपाय किए जा रहे हैं।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है,वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी,नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिजद्रा,डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है,इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं,भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें,हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी,बीपी, विटो हुंडई,एचडी केएसओई,अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट,वुड मैकेंजी,ट्राफीगुरा, स्टैटसोली,प्राज,रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता,अदानी,रिलायंस, बिरला,थापर,गैलेंट आदि शामिल हैं।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में कोई समझौता नहीं

पेरिस। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है। जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- **स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर**

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- **संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश**

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ईयू ने लगाए ईरान के छह संगठनों और15 अधिकारियों पर प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

- **रिवोल्यूशनरी गार्ड को घोषित किया आतंकवादी संगठन**

यूरोपीय संघ ने तेहरान में देशव्यापी प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के सिलसिले में अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों और अधिकारियों सहित 15 ईरानी अधिकारियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

ईरान में ऑनलाइन सामग्री की निगरानी के लिए जिम्मेदार निकायों सहित छह ईरानी संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सत्ताईस देशों के इस समूह का यह निर्णय हिंसा पर पश्चिमी देशों की नवीनतम प्रतिक्रिया है, जिसमें कार्यकर्ताओं का कहना है कि 6,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। इन उपायों से ऐसे समय ईरान पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया है, जब उसे अमेरिका द्वारा संभावित सैन्य हमले के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है, जिनका इस्तेमाल समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और संभावित मौत की सजा की आशंकाओं के जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी देने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह ईरान के खिलाफ बल प्रयोग करेंगे या नहीं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

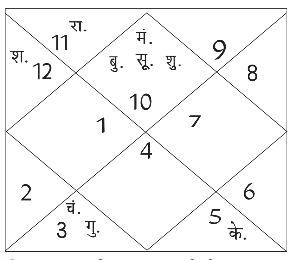

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू -46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
–शिवम दुबे

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार ,30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

ईएफआई ने आरोपी सदस्य को जॉर्डन में कोच के रूप में भेजा

नई दिल्ली। दुष्कर्म के आरोपी कर्नल (सेवानिवृत्त) तरसेम सिंह वरैच को विदेशी दौरे के लिए नामित किए जाने से एक बार फिर भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) सवालों के घेरे में आ गई है। खेल मंत्रालय ने इसी बीच अलग मामले में लंबे समय से चले आ रहे प्रशासनिक और नियमों के पालन में विफलताओं को लेकर ईएफआई को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। ईएफआई से जुड़ा नवीनतम विवाद उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें तरसेम सिंह को 29 से 31 जनवरी तक जॉर्डन में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम का कोच-सह-मैनेजर बनाया गया है। इस प्रतियोगिता की शीर्ष दो टीमें फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टीम के साथ जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ग्रेस हैरिस।

आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

वडोदरा, एजेंसी

पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां जोरदार वापसी करते हुए यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यूपी वॉरियर्स के लिए इस हार के बाद प्ले ऑफ में जगह बनाने काफी मुश्किल हो गया है।

नाडिन डि क्लर्क के चार विकेट और ग्रेस हैरिस के दो विकेट से आरसीबी ने शानदार शुरुआत करने वाली यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट पर 143 रन पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हैरिस (37 गेंद में 75) और मंधाना (27 गेंद में नाबाद 54) की 108 रन की आक्रामक साझेदारी से महज 13.1 ओवर में दो विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस बड़ी जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए, जिससे टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली और पांच टीमों की तालिका में शीर्ष स्थान पर भी कब्जा जमाया। यूपी वॉरियस चार अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और एक मैच शेष होने के बावजूद उसका नेट रन रेट भी सबसे खराब है, जिससे उसका अभियान लगभग खत्म होने की कगार पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए 'प्लेयर ऑफ मैच' हैरिस ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने शुरुआती ओवरों में क्रांति गौड़ को निशाना बनाया।

नाडिन डि क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

> 2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
> –एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे। इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19.5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की। सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये। बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ' 'पीटीआई-वीडियो' ' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

टी-20 विश्व कप
8 दिन शेष

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे। साथ ही उन खिलाड़ियों को मौका दिया जिन्होंने मेहनत से मुकाम हासिल किया है।

अनुशासनात्मक कारणों से नहीं मिली जगह

टीम सूत्रों के अनुसार यह फैसला पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही 'अनुशासनात्मक' कारणों से ले लिया गया था। टीम सूत्रों ने बताया कि मनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक को बाहर करने का फैसला दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर ही ले लिया गया था। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर अनुशासनहीनता का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया था जिसमें एक चौथा खिलाड़ी शामिल था जिसका नाम नहीं दिया गया है। खिलाड़ियों ने अपने साथी खिलाड़ी को प्रतिबंधित पदार्थ खिलाने के लिये बाद में माफी मांगी पर टीम बैठक में तब ही उन्हें आगामी शिविर से बाहर रखने का फैसला सुनाया था।

साक्षात्कार

भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।